CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर। मिश्रा

वर्ष-9 अंक: 306 ता. 17 मई 2021, सोमवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

कई कोरोना मरीजों को अस्पताल में नहीं मिल रहे बेड, घर में ही रही मौत, सरकारी आंकड़ों में भी नहीं गिनती

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने हाहाकार मचा रखा है। देश के कई राज्यों में कोरोना से भयावह तस्वीर बन गई है। लोगों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है, श्मशानों के बाहर लंबी लाइनें हैं। लोगों को अपनों का अंतिम संस्कार करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा रहा है। हर रोज सरकारी आंकड़े जारी होते हैं जिनमें देश और अलग-अलग राज्यों में कोरोना से संक्रमित और मरने वालों का ब्यौरा दिया जाता है। लेकिन क्या इन आंकड़ों दी जाने वाली जानकारी पूरी होती है? कर्नाटक में शायद ऐसा नहीं है। कोविड प्रबंधन पर सरकार को सुझाव देने के लिए गठित तकनीकी सलाहकार समिति के डॉ गिरिधर राव ने कहते हैं कि कोविड -19 महामारी के बीच कर्नाटक सरकार से सही मौत का डेटा प्राप्त करना मुश्किल है क्योंकि अस्पताल के बिस्तर, ऑक्सीजन की अनुपलब्धता के कारण कई लोग घर पर मर रहे हैं और इनमें से कई कोविड के लिए भी परीक्षण नहीं करवा पा रहे हैं। उन्होंने एएनआई को बताया, घरों में मरने वाले कोरोना मरीजों को राज्य द्वारा प्रबंधित डेटाबेस में एक कोविड रोगी के रूप में जगह नहीं मिलती है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन और सरकारी आंकड़ों में दिखाई गई मौतों को देखते हुए, ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने अस्पताल में बिस्तर और समय पर आपातकाल के समय एम्बुलेंस सेवा नहीं मिलने के कारण अपनी जान गंवा दी। समय पर इलाज न मिलने पर कोविड-19 पॉजिटिव मरीजों समेत 500 से अधिक मरीजों की उनके स्थान पर ही मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, केवल एक महीने में कर्नाटक में 595 से अधिक मौतें हुई हैं। बिस्तरों की अनुपलब्धता और/या समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने के कारण कई कोविड-19 रोगियों की घर पर ही मृत्यु हो गई। सरकारी आंकड़ों के अनुसार मौतों की संख्या को देखते हुए होम आइसोलेटेड मरीजों की मौत के आंकड़े चिंताजनक हैं।

गोवा के तटीय क्षेत्र से टकराया चक्रवात, अब गुजरात की ओर बढ़ रहा

मुंबई में तेज भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। गुजरात और महाराष्ट्र समेत पांच राज्यों पर अरब सागर में बन रहे चक्रवात 'ताऊ ते' का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, तूफान गोवा के तटीय क्षेत्र से टकरा गया है। अब वह गुजरात की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस वजह से मुंबई सहित उत्तरी कोंकण में कुछ स्थानों पर रविवार से ही तेज हवा के साथ भारी बारिश हो सकती है। अगले 12 घंटों के दौरान इसके बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में बदलने की आशंका है। यह तूफान 18 मई की सुबह गुजरात के पोरबंदर और महुआ कोस्ट के बीच से गुजरेगा।

IMD के मुताबिक शनिवार देर रात 2.30 बजे ये चक्रवात गोवा के पणजी तट से 150 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में, मुंबई से 490 किलोमीटर दक्षिण, गुजरात के वेरावल से 880 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में था। तूफान के दौरान बारिश के साथ 150 से 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। महाराष्ट्र, केरल और गुजरात के तटों पर तीन दिन

तक तूफान का असर रहने की आशंका है। तूफान का असर तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिमी राजस्थान और लक्षद्वीप में भी हो सकता है। इस चक्रवात को म्यांमार ने 'ताऊ ते' नाम दिया है।

मोदी ने हाईलेवल मीटिंग की

तूफान के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को हाईलेवल मीटिंग की और तैयारियों का जायजा लिया। प्रधानमंत्री कार्यालय (क्क्रह्र) की ओर से बताया गया कि मीटिंग में केंद्र सरकार के सीनियर अफसरों के साथ-साथ महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि कैबिनेट सचिव तटीय राज्यों के मुख्य सचिवों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहेंगे। गृह मंत्रालय 24 घंटे इस पर नजर बनाए रखेगा और राज्यों के संपर्क में रहते हुए फौरन जरूरी सुविधाएं मुहैया करवाएगा।

वायुसेना अलर्ट; मछुआरों को चेतावनी दी गई

तूफान की संभावना को देखते हुए भारतीय वायुसेना भी अलर्ट मोड में है। वायुसेना ने 16 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और 18 हेलिकॉप्टर को राहत और बचाव कार्य के लिए तैयार रहने के लिए कहा है।

गुजरात के कच्छ और सौराष्ट्र के समुद्री इलाकों में साइक्लोन को लेकर कोस्ट गार्ड अलर्ट पर है। साथ ही मछुआरों को समंदर से दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

गुजरात पर सबसे ज्यादा असर

मौसम विभाग का कहना है कि इस चक्रवात का सबसे ज्यादा असर गुजरात पर पड़ेगा। द्वारका, कच्छ, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, राजकोट, मोरबी और जामनगर जिलों में फूस के बने मकान पूरी तरह तबाह हो जाएंगे, मिट्टी के घरों को भी भारी नुकसान होगा, पक्के मकानों को भी कुछ नुकसान पहुंच सकता है। भारी बारिश के कारण कुछ इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो सकते हैं।

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद राजीव सातव का कोरोना से निधन

राहुल-प्रियंका ने जताया शोक

नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद राजीव सातव का आज निधन हो गया। वह कोरोना संक्रमित थे। कोरोना से उबरने के बाद उनका निधन हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के करीबी माने जाने वाले सातव 22 अप्रैल को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। सातव को बाद में एक नया वायरल संक्रमण हो गया था और उनकी हालत गंभीर थी। कांग्रेस सांसद राजीव सातव का रविवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।कुछ दिनों पहले ही वह कोविड से उबर गए थे। सातव (46) की तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल में उन्हें वेंटीलेटर पर रखा गया था। उनका जाना कांग्रेस के लिए बड़ा झटका है। कांग्रेस के तमाम नेता उनके निधन पर शोक व्यक्त कर रहे हैं।

'यह कायरता है...' फिर कैप्टन अमरिंदर पर हमलावर हुए सिद्धू

चंडीगढ़। पंजाब में कांग्रेस की सरकार है। हालांकि पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू प्रदेश के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमला करने का एक भी मौका नहीं छोड़ते हैं। बीते कुछ समय से देखा गया है कि वह लगातार पंजाब के मुखिया की उनकी नीतियों और निर्णयों के कारण आलोचना करते हैं। उन्होंने 2015 में गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की घटनाओं और पुलिस फायरिंग में दो लोगों के मारे जाने को लेकर आज फिर अमरिंदर सिंह पर निशाना साधा है।

सिद्धू ने मामले में न्याय सुनिश्चित करने में मुख्यमंत्री की कथित विफलता की ओर इशारा करते हुए कहा, उचित को जान के उस पर अमल ना करना कायरता का आभास है। 2015 में एक धार्मिक पाठ के अपमान और पुलिस फायरिंग की घटनाओं में न्याय देने में कथित देरी को लेकर क्रिकेटर से राजनेता बने सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर बार-बार हमला करते रहे हैं। सिद्धू ने एक ट्वीट में कहा ÷पंजाब पुलिस द्वारा प्रतिदिन हजारों मामले सुलझाए जाते हैं, किसी को भी एसआईटी या जांच आयोग की आवश्यकता नहीं होती है। मैंने कई बार बेअदबी, बहबल कलां और कोटकपुरा फायरिंग के पीछे बादल की भूमिका का विस्तार से वर्णन किया है।

उचित को जान के उस पर अमल ना करना कायरता का आभास है।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, उचित को जान के उस पर अमल ना करना कायरता का आभास है।

पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पिछले महीने 2015 कोटकपूरा गोलीबारी मामले की जांच रिपोर्ट को रद्द करने के बाद से सिद्धू पंजाब के मुख्यमंत्री की आलोचना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने 2015 में कोटकपूरा गोलीबारी की घटना की जांच के लिए एक नई विशेष जांच दल का गठन किया था।

अमृतसर पूर्व विधायक ने न्याय सुनिश्चित करने में कथित 'जानबूझकर देरी' पर सवाल उठाया था और अमरिंदर सिंह पर 2015 की बेअदबी मामले में जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया था। पंजाब के मुख्यमंत्री ने सिद्धू के गुस्से को पूर्ण अनुशासनहीनता कहा था।

जिन्हें वैक्सीन की ज्यादा जरूरत, 10 में से केवल पांच को ही मिल रही दूसरी खुराक

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन की कमी को लेकर राज्य और केंद्र सरकार अपना-अपना दावा कर रही है लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि जिन्हें वैक्सीन की सबसे ज्यादा जरूरत है उन 10 में से केवल पांच को ही दूसरी खुराक मिल पा रही है। एक मई से टीकाकरण का नया चरण (18-44) शुरू होने के बाद यह स्थिति और भी गंभीर हो चुकी है क्योंकि बीते 29 अप्रैल तक 10 में से दो ही लोग दूसरी खुराक नहीं ले पा रहे थे। अब यह आंकड़ा 50 फीसदी तक कम हुआ है। यह सभी 45 या उससे अधिक आयु वाले हैं। जनवरी 2020 से अब तक की स्थिति देखें तो देश में 82 फीसदी मौतें भी इसी आयुवर्ग में हुई हैं। नीति आयोग के सदस्य डॉ. वीके पॉल ने बताया कि देश में इस समय दूसरी खुराक का आंकड़ा 50 फीसदी तक आ चुका है जो काफी चिंता की बात है। ऐसा होने से टीकाकरण अधूरा रहने की आशंका बढ़ जाती है। हमारी राज्यों से अपील है कि दूसरी खुराक वालों को प्राथमिकता दी जाए। हर दिन कम से कम 70 फीसदी टीकाकरण इन्हीं लोगों का होना चाहिए। हालांकि उन्होंने बताया कि सात राज्यों में इससे ठीक विपरीत्त स्थिति है। पश्चिम बंगाल, सिक्किम, त्रिपुरा, केरल, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़

और ओडिशा में नए लोग (18 से 44 वर्ष आयु) की अपेक्षा दूसरी खुराक लेने वालों को प्राथमिकता दे रहे हैं।

अप्रैल तक 82.5 फीसदी को मिल रही थी दूसरी खुराक

आंकड़ों के अनुसार 31 मार्च तक भारत में 71 फीसदी लोगों को दूसरी खुराक मिल पा रही थी। अप्रैल में वैक्सीन की आपूर्ति को बढ़ाने पर यह आंकड़ा 82.5 फीसदी तक पहुंच गया था लेकिन 12 मई को यह राष्ट्रीय स्तर पर 50 फीसदी दर्ज किया है। वैक्सीन की कमी को लेकर कुछ और आंकड़े भी इशारा कर रहे हैं। एक से 15 अप्रैल के बीच देश में 4.65 करोड़ लोगों को पहली खुराक दी गई। जबकि बीते तीन सप्ताह की स्थिति देखें तो हर दिन 20 लाख लोगों को ही खुराक दी जा रही है। यानि 15 दिन में तीन करोड़ जोकि एक से 15 अप्रैल की तुलना में कम है।

वैक्सीन देने से यहां मौतें हुई कम

45 या उससे अधिक आयु वर्ग के लोगों को वैक्सीन की दोनों खुराक देने के बाद कुछ जगहों पर मौत के मामले कम हुए हैं। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के महामारी विशेषज्ञ डॉ. गिरधर बाबू का कहना है कि दोनों टीके संक्रमण के विकास की संभावना को कम करने के साथ-साथ गंभीर बीमारी और मृत्यु की संभावना को कम करने के लिए सिद्ध हुए हैं।

भारत में जल्द आएगा स्पूतनिक V लाइट वर्जन, एक ही डोज में कोरोना से बचाव

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर की चपेट में आए भारत को वैक्सीन की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में भारत में कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में कोविशील्ड और कोवैक्सीन के बाद अब एक और वैक्सीन स्पूतनिक-ङ्क भी अगले सप्ताह से मार्केट में उपलब्ध होगी।

बनेगी स्पुतनिक की सिंगल-डोज वैक्सीन

इस सब के बीच भारत में रूसी राजदूत एन कुदाशेव ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा कि स्पुतनिक वी रूसी-भारतीय टीका है। हम उम्मीद करते हैं कि भारत में इसका उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ाकर 85 करोड़ खुराक प्रति वर्ष तक किया जाएगा। भारत में जल्द ही स्पुतनिक की सिंगल-डोज़ वैक्सीन पेश करने की योजना है। एन कुदाशेव ने कहा है कि स्पुतनिक वी की प्रभावशीलता दुनिया में अच्छी तरह से जानी जाती है। रूस में 2020 की दूसरी छमाही से शुरू होने वाले लोगों के टीकाकरण में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रूसी विशेषज्ञों ने घोषणा की है कि यह वैक्सीन नए कोविड-19 वैरिएंट के खिलाफ भी प्रभावी है।

स्पुतनिक पर खड़े हुए थे सवाल

स्पुतनिक की क्षमता पर शुरुआत में सवाल खड़े किए गए थे, मगर बाद में जब इस साल फरवरी में ट्रायल के डेटा को द लांसेट में पब्लिश किया गया तो इसमें इस वैक्सीन को सेफ और इफेक्टिव बताया गया। दरअसल कोविड-19 के रूसी टीके %स्पूतनिक-वी के तीसरे चरण के परीक्षण में यह 91.6 प्रतिशत प्रभावी साबित हुई है और कोई दुष्प्रभाव भी नजर नहीं आया। %द लांसेट% जर्नल में प्रकाशित आंकड़ों के अंतरिम विश्लेषण में यह दावा किया गया है। अध्ययन के ये नतीजे करीब 20,000 प्रतिभागियों से एकत्र किए गए आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित हैं।

रेलवे ने पहली लहर में मजदूरों को पहुंचाया घर, दूसरी में मरीजों के लिए लाया सांसें

नई दिल्ली। कोरोना काल में भारतीय रेलवे यात्री सेवाएं भले ही बुरी तरह प्रभावित हुई हों, लेकिन उसने दूसरे मोर्चों पर अपनी नई पहचान स्थापित की है। कोरोना के शुरुआती दौर में श्रमिक विशेष ट्रेनों को चलाने के बाद अब दूसरी लहर में ऑक्सीजन एक्सप्रेस चलाकर वह इस लड़ाई में अग्रिम मोर्चे पर तैनात है। इस बीच रेलवे में अपने माल भाड़ा को नई गति दी है और उससे राजस्व भी बढ़ाया है। कोरोना की दूसरी लहर में रेलवे की यात्री सेवाएं एक बार फिर से बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। उसकी मेल एक्सप्रेस गाड़ियों की संख्या लगभग आधी रह गई है। बड़ी संख्या में उपनगरीय सेवाएं भी बंद हुई हैं। सवारी गाड़ियों की संख्या भी घटाई गई है। इसके पीछे कोरोना संक्रमण को रोकना और लॉकडाउन के चलते यात्रियों की भारी कमी रही है। इससे

रेलवे को अपने यात्री किराए से होने वाले राजस्व में भारी कमी आई है। लेकिन उसने माल भाड़ा के जरिए राजस्व अर्जित करने का नया रास्ता खोला है। डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के दो हिस्से शुरू होने के साथ माल गाड़ियों की गति भी लगभग दोगुनी की गई है। इसके अलावा उसने उन वस्तुओं का भी परिवहन शुरू किया है। इससे वह अभी तक दूर थी। ऐसे में उसने बीते साल भी ज्यादा माल भरा राजस्व अर्जित किया था और मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी वह इसी दिशा में आगे बढ़ रही है।

आठ हजार मीट्रिक टन से भी ज्यादा ऑक्सीजन की आपूर्ति-इस बीच रेलवे ने अपनी एक नई पहचान कोरोना की जंग में कायम की है। बीते साल उसने श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन पर लाखों लोगों को बड़े शहरों से उनके गृह राज्य और जनपदों तक पहुंचाया था। वह ऐसा समय था, जबकि लॉकडाउन के प्रतिबंधों के चलते लाखों लोग पैदल ही अपने घरों के लिए निकल लिए थे। अब दूसरी लहर का प्रकोप जारी है तब रेलवे ने इस समय के सबसे बड़े संकट ऑक्सीजन की कमी को पूरी करने के लिए विशेष ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया है। बीते 18 अप्रैल से शुरू की गई है अभी तक 8000 मीट्रिक टन से भी ज्यादा ऑक्सीजन की आपूर्ति कर चुकी है। इसमें रेलवे ने अपने घाटे का ध्यान नहीं रखा है। वह एक-दो टैंकर से लेकर आठ-दस टैंकरों को लेकर लगातार दौड़ रही है, ताकि जितनी भी ऑक्सिजन हो, जल्दी जरूरतमंदों तक पहुंचाई जा सके।

कोरोना को रोकने के लिए बिहार, यूपी समेत इन राज्यों ने किया प्रतिबंधों में विस्तार

नई दिल्ली। भारत में कोरोनावायरस के मामलों की दैनिक गिनती में कुछ गिरावट देखी जाने लगी है। क्योंकि कई राज्यों ने इसके प्रसार को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन, मिनी-लॉकडाउन, कोरोना कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगाए हैं। हालांकि ताजा संक्रमण अब भी 3 लाख के ऊपर हैं और वायरस से मरने वालों की संख्या भी 4 हजार के आस-पास बनी हुई है। कोरोना मामलों में आई इसी मामूली कमी के पीछे प्रतिबंधों को ही इसका कारण बताया जा रहा है। कहा गया है कुछ राज्य कुछ हद तक वायरस की चेन को तोड़ने में सक्षम हुए हैं।

यहां उन राज्यों की सूची दी गई है जिन्होंने हाल के दिनों में प्रतिबंधों को बढ़ा दिया गया है

महाराष्ट्र-महाराष्ट्र सरकार ने 13 मई को घोषणा की कि राज्य में लॉकडाउन जैसी पाबंदियां अब 1 जून तक लागू रहेंगी। पहले ये पाबंदियां 15 मई को खत्म होने वाली थीं। पिछले दो दिनों में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा पाबंदियां हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्य में कोविड -19 केसलोड ने 40 हजार से से कम नए मामले दर्ज किए हैं।

बिहार- मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को घोषणा की थी कि राज्य ने रविवार को 25 मई तक प्रतिबंधों में 10 दिनों का विस्तार किया है। 5 मई से लागू हुआ

लॉकडाउन मूल रूप से 15 मई को समाप्त होने वाला था।

उत्तर प्रदेश- राज्य सरकार ने चल रहे कोरोना कर्फ्यू को 24 मई तक बढ़ाने का फैसला किया। पिछले विस्तार के अनुसार, कर्फ्यू 17 मई को सुबह 7 बजे समाप्त होने वाला था।

जम्मू और कश्मीर- केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में प्रशासन ने 15 मई को चल रहे कोरोना कर्फ्यू को बढ़ा दिया, जो कि 17 मई को सुबह 7 बजे खत्म होने वाला था। एक सप्ताह के लिए बढ़ाने के फैसले के साथ कर्फ्यू अब 24 मई तक के लिए निर्धारित किया गया।

दिल्ली-दिल्ली सरकार ने अभी तक मौजूदा लॉकडाउन के चौथे विस्तार की घोषणा नहीं की है, जो सोमवार को सुबह 5 बजे समाप्त होगा। हालाँकि, जैसे-जैसे दैनिक मामलों में गिरावट आती है, सरकार कम से कम एक और सप्ताह के लिए लॉकडाउन का विस्तार कर सकती है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिनों के अनुसार, पिछले दो दिनों में, राष्ट्रीय राजधानी में 10 हजार से कम ताजा संक्रमण हुए हैं।

झारखंड-राज्य के 'स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह' (स्वास्थ्य सुरक्षा सप्ताह) को चौथी बार, 27 मई, सुबह 6 बजे तक बढ़ा दिया गया, 12 मई को एक सरकारी निर्देश में यह जानकारी दी हुई। कुछ अतिरिक्त प्रतिबंधों की भी घोषणा की गई, और ये रविवार सुबह 6 बजे से प्रभावी हो गई।

केरल- मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने घोषणा की कि एक सप्ताह तक चलने वाला लॉकडाउन, जो 16 मई को समाप्त होने वाला था, अब 23 मई तक लागू रहेगा।

CMYK

मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

अगले छह घंटों में विकराल रूप धारण कर लेगा 'तौकते'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार ने चक्रवाती तूफान 'तौकते' के अगले छह घंटों में और खतरनाक होने की आशंका जाहिर की है। दूसरी ओर मौसम विभाग ने शनिवार को कहा है कि अरब सागर के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान 'तौकते' में बदल गया है। इसके 18 मई के आसपास पोरबंदर और नलिया के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है। 'तौकते' 16 से 18 मई के बीच अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में कहर बरपाएगा। विभाग ने कर्नाटक के लिए अगले 24 घंटे में तूफान की चेतावनी जारी की है। अरब सागर से उठ रहा चक्रवाती तूफान केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्यों में कहर बरपा सकता है। आईएमडी द्वारा अपराह्न 1:45 बजे जारी बुलेटिन में कहा गया है कि तौकते अगले छह घंटे के दौरान 'भीषण चक्रवाती तूफान' में परिवर्तित होने की संभावना है और फिर अगले 12 घंटे में इसके 'अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान' में बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि चक्रवाती तूफान उत्तर-उत्तर-पश्चिमी दिशा की तरफ बढ़ेगा और लगभग 18 मई को अपराह्न पोरबंदर तथा नलिया के बीच गुजरात तट को पार करेगा। केंद्र और तटीय राज्यों की सरकारों ने चक्रवात से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवाती तूफान से निपटने के लिए की गईं तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बैठक की है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने चक्रवात की विभीषिका का अनुमान लगाते हुए अपनी टीमों की संख्या 53 से बढ़ाकर 100 कर दी है। केंद्रीय जल आयोग ने भी चक्रवात को लेकर केरल के मध्य एवं उत्तरी हिस्सों, पास के दक्षिण तटीय एवं कर्नाटक के दक्षिण तटवर्ती क्षेत्रों के लिए मध्यम से उच्च स्तर के जोखिम का अलर्ट जारी किया है। गोवा में सरकार ने चक्रवात के मद्देनजर जरूरी तैयारी की है। मौसम विभाग के अनुसार चक्रवात की वजह से कोंकण और गोवा में 15 और 16 मई को भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के तटीय जिलों के अधिकारियों को सतर्क रहने और स्थिति से निपटने के लिए जरूरी उपकरणों से लैस रहने के निर्देश दिए हैं।

मोहन भागवत बोले, महामारी में दोषों की चर्चा छोड़कर टीम भावना से कार्य करने की आवश्यकता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा है कि महामारी काल में मन को पाजिटिव रखना है और शरीर को कोरोना निगेटिव रखना है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्य कर रहे हैं। मोहन भागवत ने महामारी के समय दोषों की चर्चा छोड़कर टीम भावना से कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने महामारी के समय में अफवाहों को रोकने पर भी जोर दिया। कोविड रेस्पांस टीम की ओर से आयोजित हम जीतेंगे पॉजिटिविटी अनलिमिटेड व्याख्यानमाला के समापन समारोह में मोहन भागवत ने कहा, सारे भेद भूलकर, दोषों की चर्चा छोड़कर कार्य करने की आवश्यकता है। अपने आप को ठीक रखना, प्रयासों की निरंतरता रखना, धैर्य रखें। सक्रिय रहें। प्रतिकार शक्ति को मजबूत बनायें, प्राणायाम, दीर्घ श्वसन, सूर्य नमस्कार श्वसन क्षमता और मन को भी मजबूत बनाते हैं। आहार ठीक रखें, सात्विक आहार, शरीर की शक्ति बढ़ाने वाला आहार करें। मोहन भागवत ने कहा कि शरीर को कमजोर करने वाले कार्य न करें। खाली न रहें।

परिवार के साथ संवाद करें, कुटुम्ब को प्रशिक्षित करने का समय मिला है, उसका उपयोग करना है। उन्होंने कहा कि जन प्रबोधन एवं जन सहयोग एक महत्वपूर्ण कार्य है , उनके साथ संवाद करके उनके साथ सहभागी होने का समय है नियम, व्यवस्था और अनुशासन के साथ समाज की चिंता करनी है। यह परिस्थिति हमारे सदुणों की परीक्षा है।

गड़ेरिया समाज ने किया नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य प्रीति पाल का स्वागत

संवाददाता जनार्दन गौड़

जौनपुर। जिला पंचायत वार्ड 51 से नवनिर्वाचित जिला पंचायत सदस्य श्रीमती प्रीति राजकुमार पाल का सम्मान जौनपुर जिले के गड़ेरिया समाज ने उनके आवास पर जाकर पुष्पगुच्छ देकर सम्मान किया। गड़ेरिया समाज ने उन्हें जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर दावेदारी पेश करने का आग्रह करते हुए,उनका अभिनंदन किया। प्रीति पाल ने कहा कि अगर पंचायत अध्यक्ष पद पर कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ तो हम सर्वप्रथम शिक्षा के लिए विद्यालयों का कायाकल्प करेंगे,साथ ही गरीबो के लिए सामूहिक विवाह योजना लागू करेंगे,बाकी कार्य जो है,शौचालय निर्माण,सड़क निर्माण का कार्यो को गति प्रदान करेंगे।

शुभकामना देने वालो में शेफर्ड फैमिली ट्रस्ट के राष्ट्रीय संयोजक एव समन्वय समिति मुंबई के अध्यक्ष महेंद्र पाल, पत्रकार विनोद पाल,धनगर महासभा जौनपुर के उपाध्यक्ष पंकज पाल,विजय पाल,बृजेश पाल, पाल एकता मंच के अध्यक्ष अच्छेलाल पाल,उपाध्यक्ष अनुराग पाल,सचिव सशी पाल,महाराष्ट्र अध्यक्ष राजाराम पाल,पंकज पाल,सुनील पाल एव गड़ेरिया समाज के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

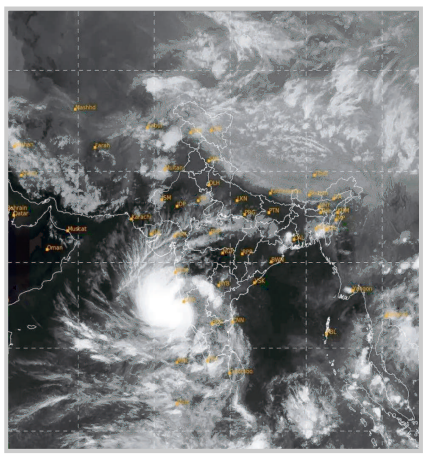

पश्चिमी तट की ओर बढ़ रहे चक्रवात ''तौकते'' को देखते हुए हवाईअड्डों ने बरते एहतियात

नई दिल्ली। भारत के पश्चिमी तट पर आने वाले चक्रवात तौकते के मद्देनजर, इस विषय पर जारी तकनीकी परिपत्र के अनुसार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के वरिष्ठ प्रबंधन ने दिल्ली के कॉर्पोरेट मुख्यालय में एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दक्षिणी क्षेत्र तथा पश्चिमी क्षेत्र में पश्चिमी तटीय हवाई अड्डों की तैयारियों का जायजा लिया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सदस्य (संचालन) आई.एन.मूर्ति ने संबंधित हवाई अड्डों को हर तरह की सावधानी बरतने और अपनी तैयारियों की योजना बनाने का निर्देश दिया है। भारी बारिश के कारण लक्षद्वीप के अगत्ती हवाई अड्डे पर निर्धारित उड़ानों का संचालन 16 मई, 2021 (सुबह 10 बजे) तक स्थगित कर दिया गया है। जैसे ही चक्रवात इस क्षेत्र से गुजर जाएगा तो हवाई अड्डे को चालू कर दिया जाएगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का वरिष्ठ प्रबंधन अन्य हवाई अड्डों पर भी स्थिति की लगातार निगरानी कर रहा है और अब तक, कुछ भी प्रतिकूल नहीं बताया गया है तथा सभी परिचालन सामान्य हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे पर नुकसान को न्यूनतम करने के लिए हवाई अड्डों को सलाह दी गई है कि, वे मानक संचालन प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के अनुसार ही योजना बनाएं। हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे की हिफाजत के लिए, संबंधित हवाई अड्डों द्वारा चक्रवात से पहले और चक्रवात के बाद जांच सूची के अनुसार एहतियाती उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

एनटीपीसी ने देशभर में कोविडदेखभाल सुविधाओं में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। विद्युत मंत्रालय के तहत भारत की सबसेबड़ी एकीकृत ऊर्जा कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने गंभीर कोविड देखभालके लिए सहायता प्रदान करने को लेकर विभिन्न राज्यों में स्थित संयंत्रों में ऑक्सीजन युक्त 500 से अधिक बेड और 1100 से अधिक आइसोलेशन बेड जोड़े हैं। एनसीआर क्षेत्र में कंपनी ने बदरपुर, नोएडा और दादरी में कोविड केयर केंद्र स्थापित की है। इन केंद्रों में 200 ऑक्सीजन युक्त बेड और 140 आइसोलेशन बेड की सुविधा दी गई है। कंपनी ने ओडिशा के सुंदरगढ़ में 500 बेड वाला कोविड स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना की है। इस केंद्र को 20 वेंटिलेटरप्रदान किए हैं। वहीं कपनी पहले हीएनसीआर में 11 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों के लिए ऑर्डर दे चुकी है।इसके अलावा बॉटलिंग सुविधा युक्त 2 बड़े ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इसके आगे कंपनी अन्य राज्यों में 8 विभिन्न स्थानों पर ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी स्थापित कर रही है।इसके अतिरिक्त कंपनी ने अन्य राज्यों में स्थित विभिन्न सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्रों की स्थापना के लिए सहायता प्रदान की है। दादरी, कोरबा, कणिहा, रामगुंडम, विंध्याचल, बाढ़ और बदरपुर में पहले से ही कोविड देखभाल केंद्र का संचालन किया जा रहा है। इनके अलावा एनटीपीसी उत्तरी कर्णपुरा, बोंगाईगांव और सोलापुर में भी अतिरिक्त सुविधा की स्थापना करेगी। वहीं अन्य अस्पताल ऑक्सीजन की सुविधा वाले बिस्तरों की संख्या में बढ़ोतरी की तैयारी है। इस बीच, एनटीपीसी ने सभी परिचालनों के अपने 70,000 से अधिक कर्मचारियों और सहयोगियों को टीका लगाया है। सभी संयंत्रों में बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान जारी है। एनटीपीसी ने अपने कई संयंत्र स्थानों पर 18-44 वर्षीय श्रेणी के योग्य लोगों का टीकाकरण भी शुरू कर दिया है। संबंधित राज्य प्रशासनों के साथ समन्वय से एनटीपीसी स्टेशनों पर टीकाकरण अभियान चलाए गए हैं।

कर्फ्यू से प्रभावित लोगों को भत्ता देगी यूपी सरकार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार समाज के गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को एक महीने के लिए एक हजार रुपये गुजारा भत्ता देगी। लगभग एक करोड़ लाभार्थियों में छोटे दुकानदार, दिहाड़ी मजदूर, रिक्शा/ई-रिक्शा चलाने वाले, नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि शामिल होंगे, जिन्हें कोरोना कर्फ्यू में आय का नुकसान हुआ है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने 24 मई तक कोरोना कर्फ्यू बढ़ा दिया है और पात्र अंत्योदय और घरेलू राशन कार्ड धारकों को तीन महीने के लिए मुफ्त राशन देने की घोषणा की है। गरीबों के लिए सामुदायिक रसोई भी चालू रहेगी। सरकार के प्रवक्ता ने कहा, कोविड से उत्पन्न स्थिति में गरीब और जरूरतमंद लोगों को हो रही कठिनाई को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। इससे राज्य के लगभग 15 करोड़ लोगों को लाभ होगा। इस बीच, राज्य सरकार ने कहा है कि बुनियादी शिक्षा वर्ग को छोड़कर सभी शिक्षण संस्थानों में 20 मई से ऑनलाइन कक्षाएं शुरू होंगी।

गैंगवार में कभी शहाबुद्दीन के खास रहे कुख्यात बाबर मियां को दुश्मनों ने गोलियों से भूना

पिछले 10 साल से ये जमीन का कारोबार कर रहा था, इसके ऊपर आपराधिक मामले भी दर्ज थे

सिवान।

शनिवार को सिवान गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा उठा। इस दौरान कुख्यात बाबर मियां को उसके दुश्मनों ने गोलियों से छलनी कर दिया। बाबर मियां ऊर्फ बाबर अली शनिवार को किसी काम से सराय थाना क्षेत्र के बाईपास रोड से जा रहा था। तभी बाइक सवार अपराधियों ने उसे जरती माई मंदिर के पास घेर लिया। इसके बाद बदमाशों ने कुख्यात अपराधी बाबर मियां को गोलियों से भून डाला। मृतक बाबर मियां अपने इलाके में काफी चर्चित था। पिछले 10 साल से ये जमीन का कारोबार कर रहा था, इसके ऊपर आपराधिक मामले भी दर्ज थे। पुलिस ने बताया कि बाबर के खिलाफ सीवान के विभिन्न थानों में कम से कम दो दर्जन ऐसे आपराधिक मामले दर्ज हैं जो बेहद गंभीर हैं। पुलिस के मुताबिक बाबर के खिलाफ अकेले मुफस्सिल थाने में 19 मामले दर्ज हैं। बाबर पिछले महीने से ही सिवान के जामो थाने में अपहरण के एक मामले में लगातार गिरफ्तारी से बचता फिर रहा था। पुलिस के मुताबिक बाबर एक वक्त सिवान के दिवंगत पूर्व सांसद और बाहुबली डॉन शहाबुद्दीन का खास बना था। बाबर मियां ने एक बार मोहम्मद शहाबुद्दीन के लिए भी काम किया था। पुलिस का कहना है कि बाबर की बाइक मौके से मुश्किल से 10 मीटर की दूरी पर सड़क किनारे खड़ी मिली थी। ऐसा लगता है कि उसे बहुत करीब से गोली मारी गई थी, जिसके बाद शूटर भाग गए। कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं है। किसी ने गोली चलने की आवाज नहीं सुनी। यहां तक कि मौके पर पुलिस को कोई खाली कारतूस तक नहीं मिला। उसका सेलफोन मौके भी से नहीं मिला। पुलिस को परिवार से उसका नंबर मिल गया है और कॉल डिटेल रिकॉर्ड हासिल करने के लिए काम किया जा रहा है।

एम्स के डॉक्टरों ने कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए उपचार और देखभाल की जानकारी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोविड-19 मरीजों में बुखार, सूखी खांसी, थकान, स्वाद और गंध का चला जाना सामान्य तौर पर पाए जाने वाले सबसे प्रमुख लक्षण हैं। इसके अलावा गले में खरास, सिर और बदन दर्द, डायरिया, त्वचा पर धब्बे और आंख में लालिमा जैसे भी लक्षण कुछ संक्रमितों में पाए गए हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण दिखे तो तुरंत आपको आइसोलेट हो जाना चाहिए। एम्स दिल्ली के डॉ. नीरज निश्चल ने कोविड-19 रोगियों के लिए होम आइसोलेशन में दवा और देखभाल पर आयोजित वेबिनार के दौरान दी। वेबिनार का आयोजन केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा किया था। डॉ नीरज ने कहा 80 प्रतिशत संक्रमित मरीजों में बेहद हल्के लक्षण होते हैं। ऐसी स्थिति मेंयदि आरटी-पीसीआर परीक्षण निगेटिव आता है, लेकिन लक्षण मौजूद हैं, तो दूसरी बार परीक्षण कराया जाना चाहिए। किसी संक्रमित को अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता है, यह बीमारी की गंभीरता के आधार पर तय किया जाना चाहिए। दवाओं को उचित मात्रा में और सही समय पर लेना चाहिए। दवा के बारे में जानना ही काफी नहीं है। मरीजों को यह भी पता होना चाहिए कि उन्हें कैसे और कब लेना है, तभी यह फायदेमंद साबित होगा। 60 वर्ष से अधिक आयु के रोगियों और उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, गुर्दे और फेफड़ों से संबंधित पुरानी बीमारियों जैसे रोगियों के लिए घर पर आइसोलेशन का फैसला डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद ही लिया जाना चाहिए। यहां कोविड-19 से संक्रमित मरीजों के लिए इलाज के लिए कुछ उपाय दिए हैं। नियमित दवाएं लेनी चाहिए, स्वच्छता और सफाई की आवश्यकताओं को पूरा किया जाना चाहिए। मेडिकल ग्रेड मास्क पहले से स्टॉक किया जाना चाहिए। हमें हर रोज की जरूरतों के आधार पर तैयारी करनी चाहिए और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, हॉटलाइन आदि के लिए जरूरी फोन नंबरों की सूची तैयार करनी चाहिए। इसके साथ ही आपातकालीन स्थितियों के लिए दोस्तों, परिवार के अन्य सदस्यों और पड़ोसियों के संपर्क नंबर भी संभाल कर रखने चाहिए। परिवार में बच्चों की भी उचित देखभाल और योजना बनानी चाहिए।

केंद्र शासित प्रदेशों को जल गुणवत्ता निगरानी की शुरूआत करने के लिए परामर्श जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम) ने राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें उन्हें पूरे देश में सभी गांवों के हर घर और सार्वजनिक संस्थानों में पीने योग्य जल सुनिश्चित करने के लिए जल गुणवत्ता निगरानी और निरीक्षण (डब्ल्यूक्यूएम एंड एस) गतिविधियों की शुरूआत करने के लिए कहा गया है। कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए, निवारक कार्य सहित सार्वजनिक स्वास्थ्य के महत्व को अच्छी तरह से समझा जा सकता है, बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित पेयजल, बेहतर सफाई और बेहतर स्वच्छता पहली आवश्यकता है। इसके अलावा जल गुणवत्ता की नियमित जांच और उचित समय पर उपचारात्मक कार्रवाई से कई प्रकार की जल से होने वाली बीमारियों को रोका जा सकता है। एडवाइजरी में यह भी आग्रह किया गया है कि जल गुणवत्ता निगरानी और निरिक्षण से न केवल लोगों, विशेष रूप से बच्चों को बीमार पड़ने से रोका जा सकेगा बल्कि बहुमूल्य जीवन को बचाने में भी मदद मिलेगी। जल जीवन मिशन का कार्यान्वयन राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों के साथ मिलकर किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण घर में नल द्वारा जल आपूर्ति सुनिश्चित करना है। जेजेएम के अंतर्गत, कुल आवंटित निधि का 2 प्रतिशत तक जल गुणवत्ता की निगरानी और निरीक्षण गतिविधियों पर उपयोग किया जाना है, जिसमें मुख्य रूप से विभाग द्वारा प्रयोगशाला परीक्षण के माध्यम से जल गुणवत्ता निगरानी और समुदाय द्वारा फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) का उपयोग करके स्थानीय जल स्रोतों का परीक्षण शामिल है। सभी पेयजल स्रोतों का, वर्ष में एक बार रासायनिक संदूषण और वर्ष में दो बार जीवाणु मानकों (प्री और पोस्ट मानसून) के लिए परीक्षण किया है। इस बात बल दिया कि इस निधि का उपयोग प्रयोगशालाओं की स्थापना, इनके उन्नतीकरण, मानव संसाधनों को काम पर रखने, एफटीके /शीशियों, उपकरण/कांच के बर्तनों की खरीद, प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण, आईईसी गतिविधियां आदि के लिए तत्काल आधार पर करने के लिए होना चाहिए।

वैक्सीन लगवाने के बाद 72 घंटे नहीं 28 दिन की जानी चाहिए साइड इफेक्ट की मॉनीटरिंग : अरोड़ा

पुणे। देश में कोरोना महामारी के बीच वैक्सीनेशन कैंपेन शुरू की गई है। शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारी का कहना है कि सभी राज्यों को वैक्सीन लगवा चुके लोगों की मॉनिटरिंग की अवधि को बढ़ाकर 28 दिन कर देना चाहिए। नेशनल लेवल पर बनी एडवर्स इवेंट्स फॉलोइंग इम्यूनाइजेशन (एईएफआई) के मेंबर डॉ एनके अरोड़ा का कहना है कि बाजार में कई अन्य वैक्सीन आने वाली हैं। ऐसे में वैक्सीनेशन के बाद होने वाले साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग को बढ़ाया जाना चाहिए। एईएफआई मेंबर डॉ अरोड़ा का कहना है कि सभी राज्यों को सीधे लोकल अथॉरिटी से संपर्क कर ऐसा मेकेनिज्म तैयार करना चाहिए ताकि वैक्सीन लगवा चुके लोगों के बारे में 28 दिन की साइड इफेक्ट्स से जुड़ी जानकारी मिल सके। यह सिस्टम सरकार के साथ ही प्राइवेट सेंटर से जुड़ी जानकारी भी हासिल कर सके और इसे कोविन वेबसाइट पर अपडेट किया जा सके। उन्होंने कहा कि सभी वैक्सीन नई हैं और इनसे जुड़े साइड इफेक्ट की जानकारी के लिए अधिक फॉलोअप की जरूरत है। वैक्सीन लगवाने के बाद पांच तरह के गंभीर परिणाम देखने में आते हैं। इनमें वैक्सीन प्रोडक्ट रिलेटेड रिएक्शन, वैक्सीन क्वालिटी डिफेक्टेड रिएक्शन, इम्यूनाइजेशन एरर, इम्यूनाइजेशन एंग्जाइटी-रिलेटेड रिएक्शन और संयोग से जुड़ी घटना शामिल है। नेशनल एडवर्स इवेंट्स फॉलोइंग इम्यूनाइजेशन कमेटी यह सुनिश्चित करती है कि वैक्सीन लगवाने वाले व्यक्ति को किस तरह का साइड इफेक्ट्स हुआ है। डॉ अरोड़ा का कहना है कि वैक्सीन लगवा चुके लोगों की मॉनिटरिंग से जुड़ा डाटा जल्द ही पब्लिक पोर्टल पर उपलब्ध होगा। यह ऐसा कदम होगा जिसकी मांग सभी स्वास्थ्य विशेषज्ञ कर रहे हैं। डॉ अरोड़ा ने बताया कि अब तक वैक्सीन लगवा चुके 7 करोड़ लोगों की मॉनिटरिंग पूरी की जा चुकी है। इनमें से 0.5 फीसदी से भी कम में वैक्सीनेशन पर बाद में गंभीर साइड-इफेक्ट्स के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि हमने इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंप दी है।

राज्यों को नैदानिक प्रबन्धन के विस्तार और सुधार पर ध्यान केन्द्रित करने की सलाह दी गई

भारत में जुलाई के अंत तक कोविड वैक्सीन की 51.60 करोड़ खुराक उपलब्ध होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश और गुजरात राज्य के स्वास्थ्य मंत्रियों और प्रधान सचिवों/ अतिरिक्त मुख्य सचिवों के साथ बातचीत की। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी उपस्थित थे। इन राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों में कोविड के दैनिक मामलों की संख्या में उच्च वृद्धि दर, सकारात्मकता दर में वृद्धि, उच्च मृत्यु दर और स्वास्थ्य देखभाल क्षमता पर बढ़ते दबाव को दर्शाता है। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी और उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश के वित्त, संसदीय कार्य तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने वर्चुअल माध्यम से अपनी उपस्थित दर्ज कराई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने उन चुनौतियों पर प्रकाश डाला, जिनका सामना राज्यों को करना पड़ रहा है: गुजरात में अप्रैल महीने से ही सकारात्मकता दर में धीरे-धीरे वृद्धि देखने को मिली है। यहाँ ठीक होने वाले मरीज़ों की दर 79 प्रतिशत है, जो राष्ट्रीय दर से कम है। अहमदाबाद, वडोदरा और मेहसाना में लगभग 100 प्रतिशत आईसीयू बेड और अहमदाबाद तथा वडोदरा में क्रमशः 97 प्रतिशत और 96 प्रतिशत ऑक्सीजन बेड का भर जाना, राज्य में तेज़ी से बढ़ते दबाव को दर्शाता है। आंध्र प्रदेश में अप्रैल की शुरुआत से ही कोविड की सकारात्मकता दर में वृद्धि देखी गई है। यहाँ कोविड मामलों की साप्ताहिक सकारात्मकता दर अपने उच्चतम स्तर 30.3 प्रतिशत तक पहुँच गई थी। चित्तूर, ईस्ट गोदावरी, गुंटूर, श्रीकाकुलम, विशाखापट्टनम को ऐसे जिलों के रूप में चिन्हित किया गया है, जहाँ स्थिति ज़्यादा चिंताजनक है। उत्तर प्रदेश में 6 सप्ताह की अवधि में कोविड के मामलों में असामान्य वृद्धि देखी (5,500 से 31,000 मामले और 2 प्रतिशत से 14 प्रतिशत सकारात्मकता) गई है, लखनऊ और मेरठ में 14,000 से अधिक सक्रिय मामले हैं। यहाँ अस्पतालों में सभी श्रेणियों के 90 प्रतिशत से अधिक बिस्तर भरे हुए हैं। मध्य प्रदेश के 10 जिलों में 20 प्रतिशत से अधिक सकारात्मकता दर है, जबकि पूरे राज्य में 1 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर को ऐसे जिलों के रूप में चिन्हित किया गया है, जहाँ स्थिति ज़्यादा चिंताजनक है। उत्तर प्रदेश और गुजरात राज्य को पहले ही सतर्क किया गया था कि यहाँ 18-45 आयु वर्ग में मृत्यु का अनुपात काफी उच्च स्तर पर जा सकता है।

माउंटबेटन की डायरी को सार्वजनिक नहीं करेगा ब्रिटेन, भारत और एडविना के राज को खुलने का डर?

-पत्रों और डायरी को सार्वजनिक करने के लिए लेखक लोवनी ने 4 साल का समय और ढाई करोड़ रुपये खर्च किए

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने एक बार फिर से भारत में अंतिम वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन और उनकी पत्नी ऐडविना माउंटबेटन की डायरी तथा पत्रों को सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है। इन पत्रों और डायरी को सार्वजनिक करने के लिए लेखक एंड्रयू लोवनी ने चार साल का समय और ढाई करोड़ रुपये खर्च किए। ब्रिटिश कैबिनेट और साउथहैंपटन यूनिवर्सिटी ने उनके इन प्रयासों पर पानी फेर दिया है। लेखक का मानना है कि इस डायरी से भारत के बंटवारे और एडविना के रिश्ते के बारे में कई राज खुल सकते हैं। इसी वजह से ब्रिटिश सरकार इन्हें सार्वजनिक नहीं कर रही है। वर्ष 2010 में लॉर्ड माउंबेटन की डायरी और एडविना के कुछ पत्रों को 'देश के लिए सुरक्षित' कर दिया गया था। साउथहैंपटन यूनिवर्सिटी ने ब्रॉडलैंड आर्काइब कहे जाने वाले इन पत्रों और डायरी को वर्ष 2010 में 2.18 मिलियन पाउंड में खरीदा था। इसको खरीदने के नाम पर यूनिवर्सिटी ने कई लोगों से फंडिंग लिया था। एंड्रयू लोवनी का कहना है कि वह वर्ष 2017 से डायरी और ऐडविना के पत्रों को सार्वजनिक करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन अब तक सफलता नहीं मिली है। यूनिवर्सिटी ने कहा है कि उसे सरकार की ओर से निर्देश मिला है कि कुछ दस्तावेजों को सार्वजनिक नहीं किया जाए। लोवनी ने कहा कि इन दस्तावेजों में जरूर कुछ खास है जिसकी वजह से यूनिवर्सिटी और सरकार उन्हें सार्वजनिक करने से बचाने के लिए लाखों पाउंड खर्च कर रहे हैं। लोवनी का मानना है कि इन दस्तावेजों से शाही परिवार और भारत के बंटवारे के बारे में नई जानकारी सामने आ सकती है। माउंटबेटन की पत्नी एडविना का भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से करीबी संबंध था। फिलीप जेइगलर ने अपनी किताब 'माउंटबेटनः द ऑफिशल बॉयोग्राफी' में लिखा है, 'एक बार माउंटबेटन ने स्वीकार किया था कि एडविना और मैंने अपना पूरा वैवाहिक जीवन दूसरों के बिस्तर में गुजारते हुए बिता दिया। माउंटबेटन की बेटी पामेला हिक्स ने भी अपनी किताब 'डॉटर ऑफ एंपायरः लाइफ एज ए माउंटबेटन' में कहा था कि उनके पिता का योला लेटेलिअर के साथ कई सालों तक प्रेम संबंध चला था। योला डेउविले के मेयर हेनरी की पत्नी थीं। एडविना एक धनी परिवार से थीं और उनके पिता ब्रिटेन के सांसद थे। एडविना का कई मर्दों के साथ प्रेम संबंध था और वह उसे माउंटबेटन से छिपाती भी नहीं थीं। हिक्स ने अपनी मां को पुरुषों को आकृष्ट करने वाली महिला करार दिया था। पामेला हिक्स ने कहा कि उनकी मां के प्रेमी पूरे बचपन में 'अंकल' बनकर आते रहे। हिक्स ने अपनी किताब 'डॉटर ऑफ़ एम्पायर' में लिखा है कि उनकी मां और भारत के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बीच प्रेम संबध था। उन्होंने कहा, मेरी मां और पंडित नेहरू जी एक-दूसरे को बहुत प्यार करते थे। मेरे पिता बहुर्मुखी थे, जबकि मेरी मां अपने-आप में ही रहना पसंद करती थीं। वह बहुत लंबे समय तक विवाहित रहे थे और एक-दूसरे के बहुत नज़दीक साथी भी थे, लेकिन इसके बावजूद मेरी मां अकेलेपन की शिकार थीं।

चीन ने मंगल ग्रह पर अपना रोवर उतार, अमेरिका के बाद देश

बीजिंग । चीन ने सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर अपना रोवर उतार लिया है। इसके साथ चीन अमेरिका के बाद कीर्तिमान बनाने वाला दूसरा देश बना है। चीन ने साल 2020 के जुलाई महीने में तियानवेन-1 मिशन मंगल की तरफ भेजा था। जो 15 मई 2021 की सुबह करीब पांच बजे के आसापास मंगल की सतह पर उतरा है। ऐसा नहीं है,कि चीन का यह रोवर धरती से उड़ा और सीधे मंगल ग्रह की सतह पर उतरा है। लाल ग्रह की सतह पर उतरने से पहले तियानवेन-1 ने तीन महीने मंगल ग्रह का चक्कर लगाया है।

इसके बाद तियानवेन-1 लैंडर अपने साथ झुरोंग रोवर को लेकर सतह की ओर बढ़ा। ये दोनों अपने ऑर्बिटर से अलग हुए। जैसे ही ये मंगल ग्रह के वायुमंडल में आए...इनका भी 'डर का सात मिनट' शुरु हो गया। लेकिन चीन के डर का समय 9 मिनट का था। इसके बाद झुरोंग मंगल ग्रह के यूटोपिया प्लैनिशिया इलाके में उतरा है। यह मंगल ग्रह के उत्तरी गोलार्ध में उल्कापिंड के टकराने से बनी घाटी में स्थित है। तियानवेन-1 ने लैंडिंग से पहले अपने छोटे लैंडिंग रॉकेट्स ऑन किए। इनकी वजह से तियानवेन की गति कम हो गई और कुछ ही सेकेंड्स में वहां धीरे-धीरे करके लाल ग्रह की सतह पर उतरा। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने शुरुआत में अपनी लैंडिंग की सफलता की खबर आधिकारिक रूप से नहीं बताई थी। इसके अलावा मकाउ यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन चाइना ने इसकी जानकारी दी। चीन झुरोंग नाम अपने आग के देवता के नाम पर दिया है। तियानवेन लैंडर पर एक रैंप बना है, जिसके जरिए रोवर नीचे उतरेगा।ये माना जा रहा है कि रोवर को मंगल ग्रह पर 90 दिन बिताने हैं। जो धरती के 93 दिनों के बराबर होते हैं। मंगल ग्रह पर दिन धरती के दिन से 40 मिनट लंबा होता है। मंगल पर उतरने से पहले तियानवेन के ऑर्बिटर लाल ग्रह की मिट्टी के मिश्रण और बर्फ आदि की खोज की है। माना जाता है कि यूटोपिया प्लैनेशिया में बर्फीले पानी की मात्रा बहुत ज्यादा है। क्योंकि यहां मिट्टी के नीचे बर्फ की चादरें हो सकती हैं। नासा का वाइकिंग-2 भी साल 1976 में इसी जगह पर उतरा था। झुरोंग एक छह पहिए वाला रोवर है। यह नासा के मार्स रोवर स्पिरिट और ऑप्च्यूनिटी के बराबर ही है।

भारत में मिले कोरोना के वैरिएंट बी 1.617.2 को फैलने से रोकने में वैक्सीन भी कम कारगर

-अगर यह वायरस ज्यादा संक्रामक है तो आगामी दिनों में कठिन विकल्प को चुनना होगाः जानशन

लंदन।

ब्रिटेन में टीकाकरण कार्यक्रम के लिए सलाह देने वाले एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कहा है कि कोरोना से बचाव वाली वैक्सीन वायरस के बी 1.617.2 वैरिएंट के फैलने को रोकने में निश्चित रूप से कम प्रभावी हैं। इस वैरिएंट की पहचान सबसे पहले भारत में हुई थी। ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एंथनी हार्नडेन ने कहा कि इंग्लैंड में लॉकडाउन में ढील देते हुए बेहद सावधानी की जरूरत है क्योंकि यह स्पष्ट नहीं है कि वायरस का वह वैरिएंट कितना संक्रामक है। हालांकि, हार्नडेन ने कहा कि यह भी नहीं पता कि क्या वायरस का कोई खास स्वरूप टीका से बच सकता है। हार्नडेन ने कहा, 'हल्की बीमारी में टीके कम प्रभावी हो सकते हैं लेकिन हमें नहीं लगता है कि गंभीर बीमारी में वे कम प्रभावी होंगे। कुल मिलाकर हल्की बीमारी की स्थिति में संक्रमण को रोकने में निश्चित तौर पर ये कम प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, 'हमें इसकी जानकारी नहीं है कि अब तक कितना प्रसार हुआ है। अब तक मिले प्रमाण से पता चलता है कि बीमारी की गंभीरता बढ़ने के कोई संकेत नहीं है, ना ही इसकी पुष्टि हुई है कि टीके से ये बच सकते हैं। इसलिए हम अब तक मिले प्रमाण के आधार पर सोच-समझकर कदम उठाएंगे।' हार्नडेन ने सोमवार से इंग्लैंड में लॉकडाउन में क्रमिक तरीके से ढील दिए जाने का हवाला दिया। हार्नडेन के बयान के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। जॉनसन ने कहा, 'हमारा मानना है कि यह स्वरूप पहले के वायरस की तुलना में ज्यादा संक्रामक है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में आसानी से फैलता है। फिलहाल यह नहीं पता कि यह कितना फैल चुका है।' जॉनसन ने कहा कि अगर वायरस ज्यादा संक्रामक है तो आगामी दिनों में कठिन विकल्प को चुनना होगा।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव इजराइल और गाजा से हिंसा रोकने की अपील की

जेनेवा (एजेंसी) ।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने इजराइल और गाजा से तत्काल प्रभाव से हिंसा रोकने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने इसकी जानकारी दी। गुतारेस ने चेतावनी देकर कहा कि मौजूदा संघर्ष को यदि नहीं रोका गया तब इससे न केवल फलस्तीनी क्षेत्र और इजराइल में बल्कि उसके आस-पास के क्षेत्र में भी सुरक्षा और मानवीय दृष्टि से एक असाधारण संकट उत्पन्न होगा। जिससे चरमपंथ को और बढ़ावा मिलेगा। गुतारेस ने इससे जुड़े विभिन्न हितधारकों से हिंसा समाप्त करने के लिए मध्यस्थता के प्रयास तेज करने का आग्रह किया है। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र मध्यस्थता के प्रयास को लेकर पूरी तरह से सक्रिय है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने संघर्ष में शामिल फलस्तीनी और इजराइली नागरिकों के प्रति समर्थन जताते हुए अमेरिका, यूरोपीय संघ और रूस से इस मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है।

इंडोनेशिया में भारी बारिश के बीच एक व्यक्ति अपने बच्चे को कंधे पर उठाकर ले जाते हुए।

इजरायल के हमले में मीडिया भी बना निशाना, बाइडेन ने भी जताई चिंता

-फिलिस्तीन के राष्ट्रपति ने जो बाइडेन से फोन पर हमलों को बंद करवाने की अपील की

वाशिंगटन (एजेंसी)।

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच खूनी संघर्ष के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक कॉल पर नागरिक हताहतों और पत्रकारों की सुरक्षा के बारे में चिंता जताई। इससे पहले शनिवार को एक इजरायली हवाई हमले ने गाजा शहर में एक ऊंची इमारत को नष्ट कर दिया, जिसमें एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया आउटलेट्स के कार्यालय थे। जानकारी के मुताबिक सभी कर्मचारियों और फीलांसरों को इमारत को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। एपी के अध्यक्ष और सीईओ गैरी प्रुइट ने अपने एक बयान में कहा कि हम हैरान और भयभीत हैं कि इजरायली सेना गाजा में एपी के ब्यूरो और अन्य समाचार संगठनों के आवास को निशाना बना कर नष्ट कर देगी। वे लंबे समय से हमारे ब्यूरो के स्थान को जानते हैं और जानते थे कि पत्रकार वहां थे। उन्होंने कहा कि हमें एक चेतावनी मिली थी कि इमारत को नुकसान होगा। दूसरी तरफ व्हाइट हाउस का कहना है कि बिडेन ने शनिवार को इजरायल में अंतर-सांप्रदायिक हिंसा और वेस्ट बैंक में बढ़ते तनाव के बारे में अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की। बिडेन और नेतन्याहू ने यरूशलेम पर भी चर्चा की, जिसमें बिडेन ने कहा कि इसे सभी धर्मों और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का स्थान होना चाहिए। वहीं फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने जो बाइडेन से फोन पर बातचीत की जिसमें उन्होंने इजरायल से जारी संघर्ष में हस्तक्षेप करने और फिलिस्तीन पर हो रहे हमलों को बंद करवाने की अपील की। एक जानकारी के मुताबिक अब्बास ने राष्ट्रपति बाइडेन से कहा कि जब तक इलाके से इजरायली कब्जा नहीं हट जाता तब तक यहां शांति स्थापित नहीं हो सकती है। इजरायल की तरफ से रॉकेट दागे जा रहे हैं, तो हमास भी अब तक 1800 रॉकेट दाग चुका है। हमास की तरफ से इजरायल के रिहायशी इलाकों में गोले दागे गए हैं। जिसके बाद इजरायल ने भी जोर देकर कहा है कि हमास की तरफ से इंसानियत को शर्मसार किया गया है और उन्हें इसका मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। जानकारी के मुताबिक इस दौरान परिस्थिति ऐसी है जहां पर ना इजरायल पीछे हटने को तैयार है और ना ही फिलिस्तीन की तरफ से हमले कर रहा हमास। कुछ देशों द्वारा मध्यस्थता की कोशिश की गई है, लेकिन कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है।

चीनी, पाक वित्त मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों पर की बातचीत

बीजिंग।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बीजिंग और इस्लामाबाद राजनयिक संबंधों की स्थापना की 70वीं वर्षगांठ के अवसर का फायदा उठाएंगे, जिससे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक बेहतर संभावनाएं खुल सकें। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को अपने पाकिस्तानी समकक्ष शाह महमूद कुरैशी के साथ टेलीफोन पर बातचीत में, वांग ने कहा कि चीन और पाकिस्तान के बीच हर मौसम में रणनीतिक सहकारी साझेदारी अद्वितीय है और द्विपक्षीय संबंध देशों के बीच मैत्रीपूर्ण सहयोग का एक मॉडल बन गए हैं। वांग ने कहा कि राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से पिछले 70 वर्षों में, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के मूल हितों से संबंधित मुद्दों पर एक-दूसरे का दृढ़ता से समर्थन किया है। वांग ने जोर देकर कहा कि चीन कोविड -19 महामारी का सामना करने के लिए पाकिस्तान के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, बीजिंग कोविड-19 पर चीन, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के विदेश मंत्रियों के वीडियो कॉन्फ्रेंस के परिणामों को लागू करने और क्षेत्रीय आर्थिक सुधार में बड़ी भूमिका निभाने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करने के लिए भी तैयार है। उन्होंने उल्लेख करते हुए कि अफगान मुद्दे पर पाकिस्तान का एक महत्वपूर्ण पारंपरिक प्रभाव है। वांग ने कहा कि चीन अफगानिस्तान में शांति प्राप्त करने के पाकिस्तान के प्रयासों को पहचानता है। कुरैशी ने मंगल पर चीन की तियानवेन -1 के उतरने पर बधाई दी, और कहा कि राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद से द्विपक्षीय संबंधों ने उपयोगी परिणाम प्राप्त किए हैं।

इजरायली सेना ने एयरस्ट्राइक कर तबाह किए कई फिलिस्तीनी ठिकाने, स्थानीय लोगों का पलायन शुरू

गाजा पट्टी।

इजरायल और फिलिस्तीन के बीच शुरू हुआ खूनी संघर्ष गंभीर हो गया है। इजरायल की ओर से एक बार फिर एयरस्ट्राइक की गई है। इजरायली सेना ने रैकेट और टैंकों से फिलिस्तीनी ठिकानों पर गालाबारी की है। संघर्ष बढ़ते देखकर फिलिस्तीन में लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया है। लोग गोलाबारी के बीच अपने बच्चों को लेकर दूर सुरक्षित स्थानों के लिए निकल पड़े हैं। लोगों के लिए जान बचाना इस समय सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। इजरायल की तरफ से दक्षिणी गाजा पट्टी पर कई रॉकेट दागे गए और एयरस्ट्राइक भी की गई है। हमला इतना जबर्दस्त था कि फिलिस्तीन का एक पूरा परिवार साफ हो गया और कई घरों के चिथड़े उड़ गए। किसी ने विद्रोह करने की कोशिश की तो इजरायली सैनिकों द्वारा उसे भी मौत के घाट उतार किया गया। इस समय फिलिस्तीन में कई ऐसे पीड़ित परिवार मौजूद हैं जो दिल दहला देने वाली घटनाएं बता रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि इजरायल के हमले में कई मासूमों की जान भी जा रही है। इजरायल ने कहा कि उनका हमला सिर्फ आतंकियों का सफाया करने के लिए है। एक पीड़ित ने कहा कि हमने खिड़की से बाहर देखने की भी हिम्मत नहीं की। हमे नहीं जानना था कि कौन सा रॉकेट किसे निशाना बना रहा है। जब सुबह बाहर देखा तो सिर्फ तबाही का मंजर दिखाई पड़ा। बिल्डिंग टूट गई थीं, सड़क पर पेड़ पड़े थे और आसमान में काला धुएं का गुबार था। स्थानीय लोगों ने बताया इजरायल के हमले में एक गर्भवती महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई। भीषण तबाही के बीच हजारों लोग स्कूलों में शरण लेने को मजबूर हैं, जो रिलीफ एजेंसी द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। कई जगहों से पलायन तेज हो गया है और हमलों से बचने के लिए सभी दूर-दराज के इलाकों में जा रहे हैं। एक पीड़ित ने कहा- हमे नहीं पता कि अब कोरोना से बचना है या फिर रॉकेट से या फिर किसी दूसरे हमले से।

डब्ल्यूएचओ के चीफ ने कहा, अमीर देश कोरोना वैक्सीन को दान करें

जिनेवा (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के चीफ ने चेतावनी दी कि कोरोना महामारी का दूसरा साल बहुत ही ज्यादा घातक होने वाला है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर जनरल टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने कहा, महामारी का दूसरा साल पहले साल के मुकाबले बहुत ही जानलेवा होने की ओर बढ़ रहा है। इसके साथ उन्होंने अमीर देशों से अपील की कि वे अभी बच्चों को वैक्सीन लगाने के बजाय कोवैक्स के लिए डोज दान करें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने कहा,मैं समझ सकता हूं कि क्यों कुछ देश अपने यहां बच्चों और किशोरों को वैक्सीन देना चाहते हैं, लेकिन फिलहाल मैं उनसे इस पर पुनर्विचार करने और इसके बजाय कोवेक्स को वैक्सीन डोनेट करने की गुजारिश करता हूं। कोवैक्स फसिलटी कोरोना वैक्सीन को लेकर एक ग्लोबल कोलैबोरेशन है। इसका मकसद वैक्सीन डिवेलपमेंट, प्रॉडक्शन और हर किसी तक इसकी पहुंच बनाने की है। इस कोलैबोरेशन का नेतृत्व जीएवीआई की तरफ से किया जा रहा है।जीएवीआई एपिडेमिक प्रिपेयर्डनेस इनोवेशन और डब्ल्यूएचओ का गठजोड़ है। इस साल भारत कोरोना की बहुत ही खतरनाक दूसरी लहर से जूझ रहा है। भारत में अभी तकरीबन उतने नए केस सामने आ रहे हैं जितना बाकी दुनिया में कुल मिलाकर नए केस आ रहे हैं। अबतक 2 लाख 60 हजार से ज्यादा भारतीयों की कोरोना से मौत हो चुकी हैं। इसी तरह जापान अभी कोरोना की भीषण चौथी लहर से जूझ रहा है और वहां ओलिंपिक से महज 10 हफ्ते पहले 3 क्षेत्रों में इमर्जेंसी लगानी पड़ी है। अब वहां ओलिंपिक गेम्स को रद्द करने की मांग जोर पकड़ने लगी है।

कोरोना से अबतक दुनियाभर में कम से कम 33 लाख 47 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में तेजी से वैक्सीनेशन के बाद वहां हालात तेजी से सुधरे हैं। वहां के करीब 60 प्रतिशत वयस्कों को वैक्सीन की एक या दो डोज मिल चुकी हैं। अमेरिका में गुरुवार से 12 से 15 साल के बच्चों को फाइजर की वैक्सीन लगनी शुरू भी हो चुकी है। लेकिन दुनिया की इस महाशक्ति को ही कोरोना की सबसे ज्यादा मार सहनी पड़ी है। अमेरिका में कोरोना से अबतक 5 लाख 80 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। अब अमेरिका में वैक्सीन लगवा चुके लोगों के लिए मास्क पहनने से जुड़ी गाइडलाइंस को वापस ले ली गई है। अमेरिका, कनाडा जैसे देशों ने वैक्सीन का इतना स्टॉक इकट्ठा कर रखा है जो उनकी पूरी आबादी को वैक्सीनेट करने के बाद भी बचा रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय विमान से ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचे 80 नागरिक

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में शनिवार को भारत से एक उड़ान की लैंडिंग हुई जिसमें यहां के 80 नागरिक अपने देश वापस पहुंचे। भारत में फंसे अपने नागरिकों की वापसी के लिए ऑस्ट्रेलिया की सरकार की ओर से उड़ानों की शुरुआत की गई है। दरअसल कोरोना की दूसरी लहर का प्रकोप देखकर ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने अपने नागरिकों समेत भारत से आने वाले सभी उड़ानों पर दो सप्ताह के लिए पाबंदी लगा दी थी। इस पर सरकार की खूब आलोचना भी हुई। ऑस्ट्रेलिया में प्रतिबंध के बावजूद भारत से लौटने की कोशिश करने वाले के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने के साथ पांच साल की जेल और 66,000 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना भी रखा गया था। भारतीय समयानुसार सुबह के 9 बजे कंटास जेट रॉयल ऑस्ट्रेलियाई एयरफोर्स बेस पर उतरा। देश वापसी के लिए पहली उड़ान में भारत में रहने वाले 150 ऑस्टेलियाई नागरिकों ने बुकिंग कराई थी जिसमें से करीब आधे यात्रियों का कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया और उन्हें अपने देश लौटने से रोका गया। भारत में ऑस्ट्रेलिया के हाई कमिश्नर बैरी ओ फारेल ने बताया, शुक्रवार को भारत से ऑस्ट्रेलिया जाने वाली पहली उड़ान में सफर से कई यात्रियों को रोक दिया गया क्योंकि कोरोना टेस्ट में वे संक्रमित पाए गए। इस क्रम में कुल 70 लोगों को उड़ान में सवार होने से रोक दिया गया। इनमें से 46 का कोविड टेस्ट पॉजिटिव था और 24 लोग उनके संपर्क में आए थे। देश लौटने वाले नागरिकों को होवर्ड स्प्रिंग्स सेंटर में क्वारंटीन किया जाएगा। इस उड़ान में आने वाले यात्रियों को बोर्डिंग से पहले नेगेटिव कोविड टेस्ट की रिपोर्ट दिखानी थी। इन्हें दो दिन पहले पीसीआर टेस्ट और फिर रैपिड एंटीजन टेस्ट कराना अनिवार्य था। भारत से ऑस्ट्रेलिया की अगली उड़ान अगले सप्ताह के लिए निर्धारित की गई है। करीब 10 हजार ऑस्ट्रेलियाई, स्थाई निवासी व उनके परिवार के सदस्य वापस ऑस्ट्रेलिया लौटना चाहते हैं।

चीन ने संरा सुरक्षा परिषद से कार्रवाई की मांग की

बीजिंग । चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजराइल और गाजा के हमास शासकों के बीच हिंसा जल्द से जल्द खत्म कराने की मांग की है। उन्होंने परिषद द्वारा अभी तक कोई कार्रवाई न किए जाने के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया। चीन की एक सरकारी समाचार एजेंसी ने वांग के हवाले से कहा कि यह खेदजनक है कि परिषद अभी तक किसी भी समझौते पर नहीं पहुंची है। वहीं अमेरिका अंतरराष्ट्रीय न्याय के विरुद्ध खड़ा है। वांग ने पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से फोन पर की बातचीत में यह बात कही। उन्होंने दो-राष्ट्र के समझौते का समर्थन किया और कहा कि इस महीने सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष चीन सभी पक्षों से उम्मीद करता है कि रविवार को जब परिषद इस संघर्ष पर चर्चा करें तो वे एकसुर में आवाज उठाएं। वांग ने कहा कि सुरक्षा परिषद को दो-राष्ट्र के समाधान की पुनः पुष्टि करनी चाहिए और फलस्तीनियों तथा इजराइलियों से इस आधार पर जल्द से जल्द वार्ता बहाल करने का अनुरोध करना चाहिए।

भारत ने वैक्सीन डोज का गैप बढ़ाया तो ब्रिटेन ने घटाया, अब यूके में 8 सप्ताह बाद लगेगी कोविशील्ड की दूसरी खुराक

इंग्लैंड। भारत सरकार ने हाल ही में कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड की दोनों डोज के बीच के अंतराल को बढ़ाकर 12-16 सप्ताह करने की घोषणा की थी। कहा जा रहा है कि सरकार ने ब्रिटेन के आधार पर यह फैसला लिया है। हालांकि ब्रिटेन ने कोविशील्ड टीके की दूसरी डोज का समय 12 से घटाकर 8 सप्ताह कर दिया है। एनएचएस इग्लैंड ने ट्वीट कर इसकी जानकारी है। ट्वीट में कहा गया है, आज सरकार ने कहा कि कोविड वैक्सीन की दूसरी खुराक 8 सप्ताह पर दी जाएगी। लोगों को टीका लेना जारी रखना चाहिए। इसके लिए एनएचएस से संपर्क करने की आवश्यकता नहीं है। जिन लोगों को अपने अप्वाइंटमेंट को आगे बढ़ाना चाहिए, उन्हें बताया जाएगा कि वे ऐसा करने में कब सक्षम होंगे।देश में कोरोना का कहर और वैक्सीन की किल्लत के बीच सरकारी समूह एनटीएजीआई ने कोविशील्ड टीके की दो खुराकों के बीच अंतर बढ़ाकर 12-16 हफ्ते करने की सिफारिश की थी। इससे पहले के प्रोटोकॉल के तहत कोविशील्ड की दो डोज के बीच छह से आठ सप्ताह का अंतर रखना होता था। एनटीएजीआई ने यह भी कहा था कि जो लोग कोविड-19 से पीड़ित रह चुके हैं उन लोगों को स्वस्थ होने के छह महीने तक टीकाकरण नहीं करवाना चाहिए। पैनल ने कहा था, मौजूदा साक्ष्यों, खासकर ब्रिटेन से मिले साक्ष्यों के आधार पर कोविड-19 कामकाजी समूह कोविशील्ड टीके की दो खुराकों के बीच अंतराल को बढ़ाकर 12 से 16 हफ्ते करने पर सहमत हुआ है। व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ एंथनी फौसी ने भी इसे सही ठहराया है। उन्होंने कहा, जब आप बहुत मुश्किल स्थिति में होते हैं, जैसी स्थिति अभी भारत में है, आपको कोशिश करनी होती है कि आप अधिक से अधिक लोगों को जल्दी से जल्दी टीका लगवा सकें। इसलिए मेरा मानना है कि यह एक उचित दृष्टिकोण है। गुरुवार को भारत सरकार ने घोषणा की कि कोविशील्ड की पहली और दूसरी खुराक के बीच का अंतर मौजूदा 6-8 सप्ताह से बढ़ाकर 12-16 सप्ताह कर दिया है।

संपादकीय

कोरोना का तीसरा हमला ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

अमेरिका-जैसे कुछ देशों में लोग मुखपट्टी लगाए बिना इस मस्ती में घूम रहे हैं, जैसे कि कोरोना की महामारी खत्म हो चुकी है। उन्होंने दो टीके क्या लगवा लिये, वे सोचते हैं कि अब उन्हें कोई खतरा नहीं है लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टी.ए. ग्रेब्रोसिस ने सारी दुनिया को अभी से चेता दिया है। उनका कहना है कि यह दूसरा साल, कोविड-19 का, पिछले साल से भी ज्यादा खतरनाक हो सकता है। उसने तो सिर्फ एक खतरा बताया है। वह यह कि कोरोना की इस महामारी के सिर पर अब एक नया सींग उग आया है। वह है- बी.1.617.2. यह बहुत तेजी से फैलता है। यह तो फैल ही सकता है लेकिन मुझे यह डर भी लगता है कि भारत की तरह अफ्रीका और एशिया के गांवों में यह नया संक्रमण फैल गया तो क्या होगा ? हमारे गांवों में रहनेवाले करोड़ों लोग भगवान भरोसे हो जाएंगे। न उनके पास दवा है, न डॉक्टर है और न ही अस्पताल। उनके पास इतने पैसे भी नहीं हैं कि वे शहरों में आकर अपना इलाज करवा सकें। इस समय भारत में 18 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लग चुका है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है लेकिन अगर कोरोना का तीसरा हमला हो गया तो क्या पता कि अकेला भारत ही दुनिया का सबसे अधिक दुखी देश बन जाए। भारत अपने भोलेपन पर शायद खुद पछताए। उसने छह करोड़ से ज्यादा टीके दुनिया के दर्जनों देशों को बांट दिए लेकिन अब भी कई देशों के पास करोड़ों टीकों का भंडार भरा हुआ है लेकिन वे उन्हें भारत को देने में आनाकानी कर रहे हैं। रूस-जैसे देश दे रहे हैं लेकिन जो टीका भारत में 100-150 रु. का बनता है, उसे वह हजार रु. में बेच रहा है। यह भी कितना विचित्र है कि भारत की कुछ कंपनियां, जो रेमडेसिविर इंजेक्शन बनाती है, सिर्फ निर्यात के लिए, उनको अभीतक भारत सरकार ने देश के अंदर इस्तेमाल की इजाजत नहीं दी है। लाखों इंजेक्शन मुंबई हवाई अड्डे पर पड़े धूल खा रहे हैं। यह ठीक है कि दुनिया के कई छोटे-मोटे देश भारत को ऑक्सीजन-यंत्र, दवाइयां, कोरोना-किट आदि भेंट कर रहे हैं लेकिन वे यह क्यों नहीं सोचते कि भारत के बुजुर्गों को टीके सबसे पहले लगने चाहिए। उन देशों के बच्चों और नौजवानों को उतना खतरा नहीं है, जितना भारत के बुजुर्गों को है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दुनिया के देशों से अपील की है कि वे फ्रांस और स्वीडन का अनुकरण करें, जिन्होंने अपने वरिष्ठ नागरिकों को टीके लगाने के बाद उन्हें अन्य देशों के जरुरतमंदों को उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है। जो भी हो, भारत के 140 करोड़ लोगों को अपनी कमर कसनी होगी। अगर तीसरा हमला हुआ तो उसका मुकाबला भी डट कर करना होगा। टीका, इंजेक्शन, ऑक्सीजन वगैरह तो जुटाएं ही जाएं, उनके साथ-साथ मुखपट्टी, शारीरिक दूरी, प्राणायाम, काढ़ा, घरेलू इलाज और अपना मनोबल बुलंद बनाकर रखा जाए।

(लेखक सुप्रसिद्ध पत्रकार और स्तंभकार हैं।)

ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए बूस्टर डोज है गौ-पालन

प्रो.संजय द्विवेदी

गाय आज भी भारतीय लोकजीवन का सबसे प्रिय प्राणी है। अथर्ववेद में कहा गया है- 'धेनः सदनम् रचीयाम्' यानी 'गाय संपत्तियों का भंडार है।' हम गाय को केंद्र में रखकर देखें तो गांव की तस्वीर कुछ ऐसी बनती है कि गाय से जुड़े हैं किसान, किसान से जुड़ी है खेती और खेती से जुड़ी है ग्रामीण अर्थव्यवस्था। गाय हमारे आर्थिक जीवन की ही नहीं वरन आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक जीवन की भी आधारशिला है। सही मायने में ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए गौ-पालन बूस्टर डोज बन सकता है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र को देखें, तो आप पाएंगे कि उस समय गायों की समृद्धि और स्वास्थ्य के लिये एक विशेष विभाग था। भगवान श्रीकृष्ण के समय भी गायों की संख्या, सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक मानी जाती थी। नंद, उपनंद, नंदराज, वृषभानु, वृषभानुवर आदि उपाधियां गोसंपत्ति के आधार पर ही दी जाती थीं। गर्गसंहिता के गोलोक खंड में ये लिखा गया है कि जिस गोपाल के पास पांच लाख गाय हों, उसे उपनंद और जिसके पास 9 लाख गायें हो उसे नंद कहते हैं। महाभारत में युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्न 'अमृतकिम्?' यानी 'अमृत क्या है?' के उत्तर में कहा कि 'गवाऽमृतम्' यानी 'गाय का दूध'। महात्मा गांधी ने भी कहा था कि 'देश की सुख-समृद्धि गाय के साथ ही जुड़ी हुई है।' जानकर हैरानी होगी कि जो पशु सूर्य की किरणों को सर्वाधिक ग्रहण करता है, वह है 'गाय' और यह दूध के माध्यम से हमें सौर ऊर्जा देती है। आपने कभी सोचा कि आज पश्चिमी देश क्यों उन्नति कर रहे हैं? विदेशों में चले जाइये, आपको भैंस नहीं मिलेगी, प्रायः आपको गाय मिलेगी। दो दशक से पश्चिमी देशों में श्वेत क्रांति चल रही है। एक अमेरिकन व्यक्ति प्रतिदिन एक से दो लीटर गाय का दूध पीता है और मक्खन खाता है। जबकि भारतीय व्यक्ति को औसतन मात्र 200 ग्राम दूध मुश्किल से प्राप्त होता है। कोलंबस 1492 में अमेरिका गया, वहां एक भी गाय नहीं थी। सिर्फ जंगली भैसों का पालन होता था। कोलंबस जब दूसरी बार अमेरिका गया, तब अपने साथ 40 गायों को ले गया, जिससे दूध की जरूरत पूरी हो सके। सन् 1640 में ये 40 गायें बढ़कर 30,000 हो गयीं। 1840 तक ये गायें बढ़कर ड़ेढ करोड़ और सन् 1900 में 4 करोड़ हो गईं। 1930 में इनकी संख्या 6 करोड़ 40 लाख थी तथा मात्र पांच वर्ष पश्चात सन् 1935 में इनकी संख्या बढ़कर 7 करोड़ 18 लाख हो गई। 1985 में अमेरिका में 94 प्रतिशत लोगों के पास गायें थीं और हर किसान के पास दस से पंद्रह गायें होती थीं। पशु विशेषज्ञ डॉ.राइट ने 1935 में कहा था कि 'गोवंश से होने वाली वार्षिकआय 11 अरब रुपये से अधिक है।' यह गणना 1935 के वस्तुओं के भावों के अनुसार लगाई गयी थी। आज सन् 1935 की अपेक्षा वस्तुओं के भाव कई गुना अधिक बढ़ गये हैं। इसलिए मेरा मानना है कि गोवंश से होने वाली आय लगभग 100 अरब रुपये से अधिक है। आप देखिए कि भारत में पूरे वर्ष में केवल साढ़े तीन माह ही वर्षा होती है और वह भी अनिश्चितता लिए हुए होती है। इस अनिश्चितता में किसान किसका सहारा लें? इसलिए प्रत्येक किसान को गो-पालन को पूरक व्यवसाय बनाना चाहिए। महर्षि दयानंद ने कहा था कि 'गाय है तो हम हैं, गाय नहीं तो हम नहीं। गाय मरी तो बचेगा कौन? और गाय बची तो मरेगा कौन?' गौपशुओं की 20 करोड़ से भी अधिक संख्या के साथ भारत दुनिया में प्रथम है। विश्व की गौपशुओं की कुल आबादी का 33.39 प्रतिशत उसके पास है। 22.64प्रतिशत के साथ ब्राज़ील और 10.03प्रतिशतके साथ चीन दुनिया के गौपशुओं की आबादी की दृष्टि से क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है। हर भारतीय को गर्व की अनुभूति होनी चाहिये कि हम दुनिया में दूध के सबसे बड़े उत्पादक हैं। वर्ष 2017 में भारत का कुल दूध उत्पादन लगभग 155 मिलियन टन था, जो 2022 में बढ़कर 210 मिलियन टन होने की संभावना है। यह भारत की गायों की आबादी के कारण ही है कि हम पिछले 10 वर्षों से दुग्ध उत्पादन में 4प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि कर रहे हैं। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को अगले कुछ वर्षों के दौरान 7.8% की वार्षिक वृद्धि की उम्मीद है। देश में प्रति व्यक्ति दूध उत्पादन भी 1991 के मात्र 178 ग्राम से बढ़कर 2015 में 337 ग्राम हो गया और कुछ वर्षों में यह बढ़कर 500 ग्राम हो जाएगा। भारत में गाय की कोई 30 नस्लें अच्छी तरह से वर्णित हैं। कुछ भारतीय नस्लें जैसे साहीवाल, गिर, लालसिंधी, थारपारकर और राठी दुधारू नस्लों में से हैं। कंकरेज, लाल कंधारी, मालवी, निमाड़ी, नगोरी आदि बैलों की जानी-मानी नस्लें हैं। हरियाणा की 'हरियाणाबैल' नस्ल दुनिया में सबसे मजबूत कद-काठी वाली नस्लों में से एक मानी जाती है। केरल में पाई जाने वाली वेंचुर नस्ल दुनिया की सबसे छोटी मवेशी नस्ल है। इसे एक मेज पर खड़ा करके दुहा जा सकता है। वेंचुर गाय बहुत अच्छे बैल पैदा करती है। पहाड़ी क्षेत्रों में मवेशियों के बिना कृषि अकल्पनीय है। पर्वतीय समुदाय प्रायः पशुधन पर निर्भर हैं। पशु शक्ति पर आधारित खेती में पेट्रोल और डीजल जैसे जीवाश्म ईंधनों की भी आवश्यकता नहीं होती। पशुधन-आधारित खेती कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित करती है। गाय को धार्मिक नजरिए के बजाए उसके औषधीय महत्व को देखना होगा। देसी गायों के दूध में ए-2 नामक औषधीय तत्व पाया जाता है, जो मोटापा, आर्थराइटिस, टाइप-1 डाइबिटीज व मानसिक तनाव को रोकता है। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में तो ए-2 कार्पोरेशन नामक संस्था बनाकर भारतीय नस्ल की गायों के दूध को ऊंची कीमत पर बेचा जाता है। दूसरी ओर हॉलस्टीन व जर्सी जैसी विदेशी नस्ल की गायों में यह प्रोटीन नहीं पाया जाता है। 'आपरेशन फ्लड' के दौरान यूरोपीय नस्ल की गायों को आयात कर उनके साथ देसी नस्लों की क्रॉस ब्रीडिंग का नतीजा ये हुआ कि जहां भारत में देसी नस्लें खत्म होती जा रही हैं, वहीं दूसरी ओर भारतीय मूल की 'गिर गाय' ब्राजील में दूध उत्पादन का रिकार्ड बना रही है। वर्षों पहले ब्राजील ने मांस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत से 3000 गिर गायों का आयात किया था। उसने इनके दूध के औषधीय महत्व को देखा तो वह दूध उत्पादन के लिए इन्हें बढ़ावा देने लगा। आस्ट्रेलिया में भारतीय नस्ल के 'ब्राह्मी बैलों' का डंका बज रहा है। दुर्भाग्य है कि भारतीय नस्ल की गायों का उन्नत दूध विदेशी पी रहे हैं और हम विदेशी नस्लों का जहरीला दूध। मांस उद्योग सबसे क्रूर जलवायु खलनायकों में से एक है, जो वायुमंडल में बहुत बड़े कार्बन पदचिन्ह छोड़ रहा है। औद्योगिक युग की शुरुआत के बाद से जब दुनिया ने जीवाश्म ईंधन को जलाना शुरू किया, हमने दुनिया को 0.8 डिग्री सेल्सियस तक गर्म कर दिया है। विश्व बैंक की रिपोर्ट में कहा गया है कि अतीत और पूर्वानुमानित कार्बन उत्सर्जन के कारण दुनिया 1.5 डिग्री सेल्सियस गर्म हो जाएगी। दिसंबर, 2016 की पेरिस जलवायु वार्ता में विश्वव्यापी तापक्रम बढ़ोत्तरी का लक्ष्य 2 डिग्री सेल्सियस तय किया गया। 2 डिग्री सेल्सियस का आंकड़ा देखने में छोटा लगता है, लेकिन इसका जीवन और जीवित ग्रह पर अभूतपूर्व नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। खानपान की आदतें यूं तो एक व्यक्तिगत मामला है, जिसपर प्रश्न उठाना अटपटा-सा लगता है, लेकिन हमारी जलवायु पर सबसे बड़ी और सबसे विस्फोटक मार मांसाहार की प्रवृत्ति से पड़ रही है। एक रिपोर्ट से पता चलता है कि विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों के कारण सबसे बड़ा कार्बन पदचिन्ह गोमांस के कारण होता है, जो बीन्स, मटर और सोयाबीन यानी शाकाहारी आहार की तुलना में लगभग 60 गुना बड़ा है। इतिहास के पन्ने पलटते हैं, तो पता चलता है कि बाबरनामा में एक पत्र में बाबर, बेटे हुमायूं को नसीहत देता है- 'तुम्हें गौहत्या से दूर रहना चाहिए। ऐसा करने से तुम हिन्दुस्तान की जनता में प्रिय रहोगे। इस देश के लोग तुम्हारे आभारी रहेंगे और तुम्हारे साथ उनका रिश्ता भी मजबूत हो जाएगा।' बादशाह बहादुर शाह जफ़र ने भी 28 जुलाई, 1857 को बकरीद के मौके पर गाय की कुर्बानी न करने का फ़रमान जारी किया और चेतावनी दी कि जो भी गौ-हत्या करने का दोषी पाया जाएगा, उसे मौत की सज़ा मिलेगी। उस समय गौ-हत्या के खिलाफ अलख जगाने का काम करने वाले पत्रकार मोहम्मद बाकर को अंग्रेजों ने मौत की सजा सुनाई थी। कवि-पत्रकार पं. माखनलाल चतुर्वेदी ने 1920 में मप्र के सागर जिले के रतौना नामक स्थान पर लगाए जा रहे कसाईखाने के विरोध में अभियान चलाया, इस कत्लखाने में प्रतिमाह ढाई लाख गौ-वंश को काटने की योजना थी। कसाईखाने के विरुद्ध जबलपुर के उर्दू समाचार पत्र 'ताज' के संपादक मिस्टर ताजुद्दीन मोर्चा पहले ही खोल चुके थे। उधर, सागर में मुस्लिम नौजवान और पत्रकार अब्दुल गनी ने भी गोकशी के लिए खोले जा रहे इस कसाईखाने का विरोध प्रारंभ कर दिया। मात्र तीन माह में ही अंग्रेजों को कसाईखाना खोलने का निर्णय वापस लेना पड़ा। सच कहें तो गौ-शक्ति से संपन्न भारत ही खुशहाल भारत होगा।

(लेखक, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक हैं।)

आज के ट्वीट

ऑक्सीजन की कमी न होने पाए

प्रशासन से स्पष्ट कहा गया है कि कहीं भी ऑक्सीजन की कमी न होने पाए। गौतमबुद्ध नगर के लिए 3 नए ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किए गए हैं, जो ऑक्सीजन की आपूर्ति में आत्मनिर्भरता की दिशा में इस जनपद को आगे ले जाने में सफल होंगे। -- योगी आदित्यनाथ

ज्ञान गंगा

रिश्ता

सद्गुरु

हम अपने जीवन में कदम-कदम पर कई तरह के रिश्ते बनाते रहते हैं, लेकिन हम हर रिश्ते को खबसूरत नहीं बना पाते। आखिर क्या करें उन्हें खूबसूरत बनाने के लिए? जीवन में आप कई तरह के रिश्ते बनाते व निभाते हैं। पड़ोसी, दोस्त, पत्नी, पति, बच्चे, माता-पिता, बहन-भाई, प्रेमी और एक-दूसरे से नफरत करने वाले भी होते हैं, ये सब रिश्ते हैं। मूल रूप से, आपके जीवन में ये सभी रिश्ते इसलिए हैं क्योंकि आपको कुछ जरूरतें पूरी करनी हैं-शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक, आर्थिक आदि। आप अपनी जरूरत के अनुसार एक निश्चित संबंध बनाने की कोशिश करते हैं। अगर वह जरूरत पूरी नहीं होती, तो वह संबंध भी नहीं बन सकता। एक ऐसे अनुभव के साथ जीने का तरीका भी मौजूद है, जिसमें आप रिश्तों के बिना भी जी सकते हैं। एक व्यक्ति भीतर से इतना पूरा हो कि उसे दूसरे के होने या न होने से अंतर न पड़े। पर इस समय ज्यादातर लोगों के लिए उनके संबंधों की गुणवत्ता ही उनके जीवन की गुणवत्ता को तय करती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि कहीं भी, कभी भी हम अपने रिश्तों को खूबसूरत कैसे बना सकते हैं। आप बात को इस तरह से समझें-कि आप कई तरह के रिश्ते जोड़कर खुद को खुश करना चाह रहे हैं। आप दोस्त बनाते हैं, आप विवाह करते हैं, संतान पैदा करते हैं, आप कारोबार शुरू करते हैं-क्योंकि आपको लगता है कि कहीं-न-कहीं ऐसा करने से आपको खुशी मिलेगी। आपने खुशी पाने की चाह में ही ये सारे रिश्ते जोड़े हैं। दूसरे शब्दों में, आप दूसरे लोगों से अपने लिए खुशी निचोड़ना चाहते हैं। जब आप ऐसा करने लगते हैं तो आपके रिश्ते हमेशा के लिए समस्या बन जाते हैं। आप उसके बिना रह नहीं सकते, और आप उसके साथ भी नहीं रह सकते। आपके भीतर खुशी का भाव ही नहीं है, और आप इसे दूसरे से पाना चाह रहे हैं और वह इंसान इसे आपसे पाना चाह रहा है। तब तो यह पक्के तौर पर एक जंग बन जाएगी। अगर संबंध को सही मायने में सुंदर बनाना है तो यह जरूरी हो जाता है कि इंसान किसी दूसरे को देखने से पहले, अपने भीतर देखे। अगर आप खुद ही आनंद का सोत होंगे और आपका संबंध भी उस आनंद को बांटने के लिए होगा, न कि किसी से आनंद निचोड़ने के बारे में-तब दूसरों के साथ आपके संबंध अद्भुत होंगे।

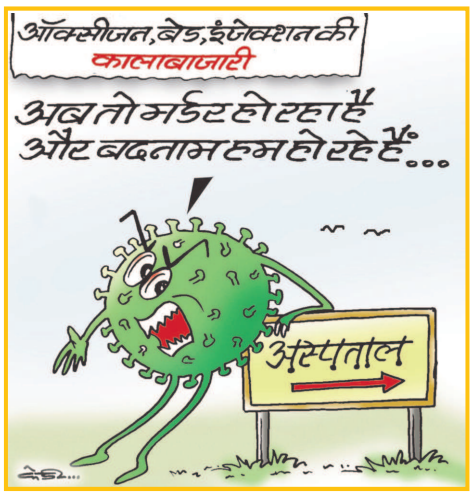

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

बाल विवाह पर लगे रोक

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

विकास के दौर में बाल विवाह एक नासूर के समान है। देश में हर व्यक्ति को शिक्षित करने की मुहिम चल रही है। हर व्यक्ति को उत्तम स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में बाल विवाह होना समाज के माथे पर एक कलंक के समान है। देश में अक्षय तृतीया (आखा तीज) पर हर वर्ष हजारों की संख्या में बाल विवाह किए जाते हैं। कोरोना संकट को लेकर देश में चल रहे लाकडाउन के कारण हर जगह पुलिस प्रशासन की व्यवस्था चाक-चौबंद होने के चलते इस बार अक्षय तृतीया पर बाल विवाह होने की संभावना बहुत ही कम लगती है। राजस्थान सरकार ने तो कोरोना संकट को देखते हुये आगामी 31 मई तक बिना इजाजत विवाह करने पर ही कानूनन रोक लगा दी है। इससे बाल विवाह होने की सम्भावना काफी कम हो गयी है। कोराना के चलते देश भर में अपनाए जा रहे सोशल डिस्टेंसिंग का प्रचार पूरे देश में हो रहा है। देश की अधिकांश जनता इसका पालन भी कर रही है। ऐसे में यदि कहीं बाल विवाह होता है तो उसकी सूचना सरकार के पास पहुंचने की संभावना ज्यादा है। फिर भी तमाम प्रयासों के बाबजूद हमारे देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। भारत में बेटी-बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान के शुरू होने के बावजूद एक नाबालिग बेटी की जबर्दस्ती शादी करा दी जा रही है। बाल विवाह मनुष्य जाति के लिए एक अभिशाप है। यह जीवन का एक कड़वा सच है कि आज भी छोटे-छोटे बच्चे इस प्रथा की भेंट चढ़े जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर जगह बेटी बचावो बेटी पढ़ाओ का नारा देते हैं। देश के सभी प्रदेशों में बेटियां शिक्षित हो रही है। ऐसे में समाज को आगे आकर कम उम्र में लड़कियों के होने वाले बाल विवाह रुकवाने के प्रयास करने होंगे। आजकल कई लड़कियां खुद भी आगे आकर अपना बाल विवाह रुकवाने का प्रयास करने लगी है। गत वर्ष बिहार के बेगूसराय में एक 14 साल की लड़की की शादी हो रही थी। जिस पंडित को शादी के लिए बुलाया था। लड़की की उम्र पता चलने पर उस पंडित ने ही स्थानीय थाने को सूचना देकर बाल विवाह रुकवा दिया। बिहार के बेतिया में लॉकडाउन में रोजगार का कोई जरिया नहीं रहने से एक मजदूर पिता अपनी 13 साल की बेटी का विवाह करने जा रहा था। गरीबी में बेटी की शादी कर वो पेट भरने के बोझ से मुक्त हो जाना चाहता था। लेकिन लड़की स्कूल में पढ़ने जाती थी। उसने हेल्पलाइन नंबर पर फोन कर दिया। पुलिस आई शादी रोक दी गई। भारत में यह प्रथा लम्बे समय से चली आ रही है जिसके तहत छोटे बच्चों का विवाह कर दिया जाता है। आश्चर्य की बात तो यह है कि आज के पढ़े लिखे समाज में भी यह प्रथा अपना स्थान बनाए हुए है। जो बच्चे अभी खुद को भी अच्छे से नहीं समझते। जिन्हें जिन्दगी की कड़वी सच्चाईयों का कोई ज्ञान नहीं। जिनकी उम्र अभी पढने लिखने की होती है। उन्हे बाल विवाह के बंधन में बांधकर क्यों उनका जीवन बर्बाद कर दिया जाता है। नेशनल हेल्थ फैमेली सर्वे-5 की 2020 में जारी रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में 40.8 फीसदी लड़कियों का विवाह 18 वर्ष से कम आयु में हो गया। त्रिपुरा में 40.1 और पश्चिम बंगाल में 41.6 फीसदी लड़कियां बाल विवाह की शिकार हुई है। गुजरात में भी 20 फीसदी लड़कियां साल 2019 में बाल विवाह का शिकार हुई है। वहीं बिहार में 11 फीसदी लड़कियां ऐसी थीं, जो 15 से 19 आयु वर्ष के बीच ही या तो मां बन गई थीं या गर्भवती थीं। त्रिपुरा में 21.9 और पश्चिम बंगाल में 16.4 फीसदी लड़कियां 15 से 19 वर्ष के बीच मां बन चुकी थीं। इसके अलावा असम और आंध्र प्रदेश में 11.7 और 12.6 फीसदी लड़कियां 18 वर्ष से कम आयु में भी मां बन चुकी थीं या गर्भवती थीं। आंकड़ों से साफ है कि आजादी के 74 साल बाद भी इस देश में महिलाओं की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं आया है। हम अपनी बेटियों को बाल विवाह और कम उम्र की गर्भावस्था से नहीं बचा पाए हैं। यही कारण है कि इस देश में 50 फीसदी से ज्यादा महिलाएं और बच्चे एनीमिया (रक्ताल्पता) के शिकार हैं। यूनिसेफ द्वारा जारी की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि भारत के कई क्षेत्रों में अब भी बाल विवाह हो रहा है। इसमें कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों के दौरान भारत में बाल विवाह की दर में कमी आई है। लेकिन कई प्रदेशों में यह प्रथा अब भी जारी है। रिपोर्ट के अनुसार बाल विवाह की यह कुप्रथा आदिवासी समुदायों सहित कुछ विशेष जातियों के बीच प्रचलित है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बालिका शिक्षा की दर में सुधार, किशोरियों के कल्याण के लिये सरकार द्वारा किये गए निवेश व कल्याणकारी कार्यक्रम और इस कुप्रथा के खिलाफ सार्वजनिक रूप से प्रभावी संदेश देने जैसे कदमों के चलते बाल विवाह की दर में कमी देखने को मिली है। यूनिसेफ के अनुसार अन्य सभी राज्यों में बाल विवाह की दर में गिरावट लाए जाने की प्रवृत्ति दिखाई दे रही है। किंतु कुछ जिलों में बाल विवाह का प्रचलन अब भी उच्च स्तर पर बना हुआ है। यह रिपोर्ट हमारे सामाजिक जीवन के उस स्याह पहलू कि ओर इशारा करती हैं। जिसे अक्सर हम रीति-रिवाज व परम्परा के नाम पर अनदेखा करते हैं। देश में बाल विवाह के खिलाफ कानून बने हैं और समय-समय पर उसमें संशोधन कर उसे ओर प्रभावशाली बनाया गया हैं। फिर भी लगातार बाल विवाह हो रहे हैं। भारत में बाल विवाह पर रोक संबंधी कानून सर्वप्रथम सन् 1929 में पारित किया गया था। बाद में सन् 1949, 1978 और 2006 में इसमें संशोधन किये गए। बाल विवाह निषेध

अधिनियम 2006 के तहत बाल विवाह कराने पर 2 साल की जेल व एक लाख रुपए का दंड निर्धारित किया है। देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से खत्म करना है तो इसके लिए समाज को ही आगे आना होगा तथा बालिकाओं के पोषण, स्वास्थ्य, सुरक्षा और शिक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करना होगा। समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। अभिभावकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों के प्रति जागरुक करना होगा। सरकार को भी बाल विवाह की रोकथाम के लिये बने कानून का कड़ाई से पालन करवाना होगा। बाल विवाह प्रथा के खिलाफ समाज में जोरदार अभियान चलाना होगा। साथ ही सरकार को विभिन्न रोजगार के कार्यक्रम भी चलाने होंगे ताकि गरीब परिवार गरीबी की जकड़ से मुक्त हो सकें और इन परिवारों की बच्चियां बाल विवाह का निशाना न बन पाएं। अगर सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद देश में बाल विवाह जैसी कुप्रथा का अन्त नही हो पा रहा है। तो इस असफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण है इसके प्रति सामाजिक जागरुकता की कमी। जब तक समाज में बल विवाह रोकने के प्रति जागरूकता नहीं आएगी तब तक यह कुरीति खत्म नही होने वाली है। बाल विवाह एक सामाजिक समस्या है। सिर्फ कानून के भरोसे बाल विवाह जैसी कुप्रथा को नहीं रोका जा सकता है। इसका निदान सामाजिक जागरूकता से ही सम्भव हो पायेगा।

सबसे महत्वपूर्ण होता है धैर्य

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर का कहना है कि फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों के लिए अनिश्चितता एक स्वाभाविक लक्षण है। मृणाल ने बताया '' मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण बात धैर्य है। एक कलाकार के रूप में, आप हमेशा प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक होते हैं लेकिन बड़ा सवाल कॉन्टेंट होता है आपको सही स्क्रिप्ट का चयन करना होगा। आंतरिक रूप से मुझे लगता है कि मैं बेहतर कर सकती हूं, फिर मुझे लगता है कि अगर मैंने इस पटकथा को जाने दिया, तो क्या मुझे और फिल्में मिलेंगी? यह सोच मुझे हर समय परेशान करती है।'' 'मृनाल 'तूफान', 'जर्सी' और 'आंख मिचोली' जैसी दिलचस्प फिल्मों में नजर आने वाली हैं। मृणाल का कहना कि ये जरूरी नहीं है की सिर्फ काम करने के लिए आप कोई भी फिल्म कर लें। वह फिर से धैर्य की बात करती है, जबकि वह जानती है कि कोविड के कारण अन्य सभी फिल्मों की तरह, उनकी फिल्मों की रिलीज में भी देरी हो रही है। वह कहती हैं, '' यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने पेटेंट हैं।' बटाला हाउस' के कुछ समय बाद 'घोस्ट स्टोरीज' आईं, और अब 'तूफान', 'जर्सी' और 'आंख मिचोली' में समय लग रहा है। मैं खुद को हर दिन बताती हूं। कि मुझे पता है कि यह मुश्किल है लेकिन इंतजार बेकार नहीं जाएगा। ये सभी विशेष कहानियां हैं और इनका हिस्सा बनना सम्मान की बात है। सभी फिल्में सेलिब्रेट करने लायक हैं। स्टोरी लाइन कंटेंट, स्क्रीनप्ले, कैरेक्टर, मेकर्स सबकुछ लाजवाब है, समय कठिन है लेकिन सब धैर्य का खेल है।'' इंडस्ट्री में हर किसी की तरह मृणाल मीनिंगफुल सिनेमा का हिस्सा बनना चाहती हैं जो सार्थक हो। उन्होंने कहा कि ''अगर मैं जल्दबाजी करने की कोशिश करती हूं, तो हो सकता है कि मैं सिर्फ स्क्रिप्ट्स को समाप्त करूं, पर मैं खुद को खो दूंगी। मेरे लिए, फिल्में मेरे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा हैं और मैं एक ऐसी फिल्म के साथ जुड़ना चाहती हूं जिसका संदेश किसी न किसी तरह से समाज के लिए अच्छा हो''

सलमान खान की राधे ने तोड़े रिकॉर्ड, बनी सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म

फिल्म 'राधे' को जी5 पर जी की पे-पर-व्यू सर्विस जी प्लेक्स और प्रमुख डीटीएच ऑपरेटर के साथ रिलीज किया गया। साथ ही इसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में थिएटर्स में रिलीज किया गया जिसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

विदेशों के सिनेमाघरों में फिल्म की सराहना करने वाले उत्सुक प्रशंसकों से ले कर स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर बड़े पैमाने पर बुकिंग करने तक, सुपरस्टार के प्रशंसकों ने रिलीज के तुरंत बाद ही फिल्म देखना शुरू कर दिया, नजीतन यह रिलीज के दिन सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गयी। यही नहीं, अधिक संख्या में लॉग-इन करने के कारण सर्वर डाउन हो गया। फिल्म को पहले दिन विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर 42 मिलियन व्यूज मिले और यह एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली फिल्म बन गई है।

बहुत महत्वपूर्ण रूप से, राधे ने हाइब्रिड रिलीज की सफलता का जोरदार प्रदर्शन किया और इस कठिन वक्त के दौरान एक फिल्म को रिलीज करने का एक प्रभावी मॉडल दिखाया। यह न केवल राधे के स्टेक होल्डर्स के लिए बल्कि देश की सम्पूर्ण फिल्म इंडस्ट्री के लिए महत्वपूर्ण होगा जो महामारी का खामियाजा भुगत रहे है। राधे के सभी आँकड़े इस बात के गवाह हैं कि जब इमेंस स्टार पॉवर, विभिन्न प्लेटफार्म तक अपना रास्ता तय करती है, तब कम थिएट्रिकल रिलीज के बावजूद सबसे कठिन समय में भी इतिहास रचा जाता है। यह इस तथ्य को पुष्ट करता है कि मल्टी-प्लेटफॉर्म रिलीज आने वाले वक्त का भविष्य है और आने वाले वर्षों में कई गुना बढ़ जाएगा। जी स्टूडियोज के सीबीओ शारिक पटेल ने कहा, ''फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और इस अनूठी और पहले कभी नहीं देखी गई वितरण रणनीति के माध्यम से यह हाई-ऑन-एंटरटेनमेंट, सलमान खान की फिल्म दर्शकों को अपने हिसाब से कहीं भी देखने का 'अवसर' सुनिश्चित करता है। अभूतपूर्व परिस्थितियों के साथ इनोवेटिव विकल्प बनाने की जिम्मेदारी आती है जो भविष्य के व्यापार मॉडल के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा और जी इसमें सबसे आगे है।''

अनुष्का और विराट ने कोविड पीड़ितों की मदद के लिए जुटाए 11 करोड़, अब बचाएंगे जिंदगियां

कोरोना से जंग लड़ने के लिए कई सिलेब्रिटीज आगे आ रहे हैं। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने मिलकर 11 करोड़ से ज्यादा रुपये जुटाए हैं। उन्होंने शुरुआत में 7 करोड़ रुपये टारगेट रखा था। यह रकम उससे कहीं ज्यादा है। विराट और अनुष्का ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके मदद करने वाले लोगों का शुक्रिया अदा किया है।

वीडियो शेयर कर मांगी थी मदद

अनुष्का और विराट ने एक हफ्ते पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर वीडियो शेयर करके फंड जुटाना शुरू किया था। अनुष्का ने वीडियो के साथ लिखा था, हमारा देश कोविड-19 की दूसरी लहर से लड़ रहा है और हमारा हेल्थकेयर सिस्टम बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। लोगों को तड़पते देख मेरा दिल टूट रहा इसलिए विराट और मैंने एक कैंपेन शुरू किया है। इसके जरिये कोविड-19 में राहत के लिए चंदा जुटाया जाएगा। हम सब इस मुसीबत से जीतेंगे प्लीज भारत और भारतीयों को सपोर्ट करने के लिए आगे आइए। आपका योगदान इस बुरे वक्त में लोगों को बचाने के काम आएगा। इसके लिए मेरे बायो में दिए गए लिंक पर क्लिक करें। मास्क लगाएं, घर पर रहें, सुरक्षित रहें

बचाएंगे लोगों की जिंदगियां

इसके बाद एमपीएल स्पोर्ट्स फाउंडेशन ने 5 करोड़ रुपये डोनेट करने का ऐलान था और विराट ने अपना टारगेट 11 करोड़ रुपये करने की सूचना दी थी। विराट और अनुष्का को लोगों दिल खोलकर सपोर्ट किया है। उन्होंने निर्धारित टारगेट से ज्यादा रुपये इकट्ठे कर लिए हैं। इसके लिए दोनों ने लोगों का शुक्रिया अदा किया है साथ ही बताया है कि ये राशि जिंदगियों को बचाने मे खर्च की जाएगी

सोनम ने ट्रोल को दिया करारा जवाब

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा सोनम कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोनम कपूर अक्सर अपने फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं और त्योहारों पर फैन्स को बधाई भी देती हैं। ऐसे में ईद पर भी सोनम ने फैन्स को बधाई दी, लेकिन उन्हें जब एक सोशल मीडिया यूजर ने ट्रोल किया तो उन्होंने उसे करारा जवाब भी दिया।

क्या था सोनम कपूर का पोस्ट

दरअसल ईद के खास मौके पर सोनम ने अपनी डेब्यू फिल्म सांवरिया के एक गाने का क्लिप शेयर किया। वीडियो में सोनम के साथ रणबीर कपूर भी नजर आ रहे हैं। सोनम ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा- 'मेरे सभी भाई बहनों को ईद मुबारक। सोनम के इस पोस्ट को फैन्स ने खूब पसंद किया। सोनम कपूर के इस पोस्ट पर एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'इस पोस्ट के लिए कितने पैसे मिले।' ऐसे में सोनम ने इस ट्रोल को करारा सबक सिखाया और स्टोरी में बाकी ट्रोल्स को भी नसीहत दे दी। अपनी इंस्टा स्टोरी में सोनम ने स्क्रीन रिकॉर्डिंग करते हुए दिखाया है कि उन्होंने उस ट्रोल की शिकायत की और ब्लॉक कर दिया। अपने कैप्शन में सोनम ने लिखा- 'काफी सुकून मिला।' सोनम की स्टोरी का ये वीडियो वायरल हो रहा है।

सोनम कपूर की अपकमिंग फिल्म

बात सोनम कपूर के करियर की करें तो वो आखिरी बार साल 2019 में फिल्म द जोया फैक्टर में नजर आई थीं। हालांकि बीते साल पिता अनिल कपूर की फिल्म एके वर्सेज एके में सोनम कपूर का कैमियो भी था। सोनम जल्दी ही फिल्म ब्लाइंड में नजर आएंगी, जो एक साउथ कोरियन फिल्म का रीमेक है।

दादी जो चाहती हैं वो मुश्किल

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर मलाइका अरोरा संग अपने रिलेशन को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। वहीं अर्जुन के घरवाले उनी शादी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खासतौर पर उनकी दादी। अब हाल ही में अर्जुन ने बताया कि वह अपनी दादी की एक इच्छा पूरी नहीं कर सकते। अर्जुन ने कहा, मेरी दादी की एक इच्छा है कि वह अपने पोतों के बच्चे देखना चाहती हैं। लेकिन मैं उन्हें नहीं दे सकता। अब दूसरे कपूर खानदान के चिराग को उनकी ये इच्छा पूरी करनी होगी। अर्जुन कपूर का ये कॉमेंट उनकी फिल्म 'सरदार का ग्रैंडसन' के बाद आया। इसमें उन्होंने आज्ञाकारी पोते का किरदार निभाया है, जो अपनी बीमार दादी की आखिरी इच्छी पूरी करने के लिए कई उतार-चढ़ाव झेलता है। फिल्म में दादी का रोल नीना गुप्ता ने निभाया है। अर्जुन ने कुछ दिनों पहले बताया था कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कुत्ते ने उन्हें काट लिया था। कुत्ते का काटने का निशान हमेशा के लिए उनकी बॉडी पर रह गया है। उन्होंने कहा था, हमारा सीन था कि मैं कई सालों के बाद घर आया हूं और कुत्ते को लगेगा कि मैं कोई घुसपैठिया हूं और वह मुझे काटने आएगा। बता दें कि अर्जुन कपूर सरदार का ग्रैंडसन फिल्म से डिजिटल डेब्यू करने जा रहे हैं। अपने डेब्यू के बारे में बात करते हुए अर्जुन ने कहा था कि हम इस समय दुनिया में महामारी में हैं। इस समय में मेरी फिल्म का रिलीज होना और लाखों लोगों तक पहुंचा मेरे लिए बहुत एक्साइटिड है। यह एक मौका है जब मेरी फिल्म अलग अलग भाषाओं में सब टाइटल्स के साथ देखी जाएगी।

कंगना रनौत ने कहा हर स्टूडेंट के लिए आर्मी में सेवा देना अनिवार्य कर दें

बॉलीवुड की 'क्वीन' कंगना रनौत का कुछ वक्त पहले ट्विटर अकाउंट सस्पेंड हो गया था, जिसके बाद से कंगना इंस्टाग्राम पर ज्यादा एक्टिव हो गई हैं। कंगना अक्सर इंस्टा स्टोरी पर अपनी बात रखती हैं। वहीं इस बार कंगना ने एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें पहले उन्होंने सभी को त्योहारों की बधाई दी है और फिर उसके बाद देश के मौजूदा हालातों पर अपनी राय रखी है। कंगना ने अपने वीडियो के कैप्शन में लिखा है- 'वेक अप इंडिया।'

अच्छे वक्त में संयम नहीं खोना चाहिए

वीडियो की शुरुआत करते हुए कंगना कहती हैं, 'नमस्ते दोस्तों, आज बहुत सारे त्योहार हैं। ईद मुबारक, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की बहुत शुभकामनाएं। दुनिया इस समय कई परेशानियों से जूझ रही है। चाहें वह कोरोना हो या दो देशों के बीच लड़ाई हो। मुझे लगता है कि अच्छे वक्त में संयम नहीं खोना चाहिए और बुरे वक्त में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हमें इस सब से क्या सीख मिल रही है, हम क्या सीख रहे हैं? उदाहरण के तौर पर आप इजराइल को ही ले लीजिए, मात्र कुछ लाख लोग हैं उस देश में लेकिन छह-सात देश भी उनपर एक साथ अटैक कर देते हैं तो वो सबको लोहे के चने चबवा देते हैं।'

क्या हमें कुछ करना नहीं चाहिए?

'अब जैसे हमने कोरोना काल में ही देखा की एक सड़क किनारे ऑक्सीजन ले रही एक बुजुर्ग महिला की फोटो वायरल हो रही है।उस तस्वीर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भुनाया गया जबकि यह इस दौरान की है भी नहीं। आजकल जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं जिनमें गंगा किनारे लाशें तैर रही हैं वो भारत की है ही नहीं बल्कि नाइजीरिया की हैं। यहां के लोग ऐसा क्यों कर रहे हैं, अपनी ही पीठ में छुरा घोंप रहे हैं। ये जो लोग ऐसी हिंसा फैलाते हैं ये किसी धर्म विशेष के नहीं बल्कि हर जगह पाए जाते हैं। घुसपैठियों को मिलाकर हम करीब 150 करोड़ हो गए हैं, लेकिन बहुत कम लोग काम के हैं। क्या हमें कुछ करना नहीं चाहिए?'

आर्मी में सेवा देना अनिवार्य कर दें

'मेरी भारत सरकार से गुजारिश है कि इजराइल की तरह यहां भी हर स्टूडेंट के लिए आर्मी में सेवा देना अनिवार्य कर दें। हम भी करना चाहते हैं, हम भी करेंगे। जिस भी धर्म की किताब में लिखा है कि उसी धर्म के लोग आपके अपने हैं.केवल वही इंसान हैं बाकी सब गाजर मूलियां हैं, उसको निकालिए उन किताबों में से। चाहें आप किसी भी धर्म के हैं चाहें जैन, इस्लाम, सिख, आपके लिए सर्वोपरि धर्म होना चाहिए भारतीयता का। हमारा-आपका जो संबंध है देश के नागरिक होने का वह सर्वोपरि होना चाहिए, इंसानियत का नाता सर्वोपरि होना चाहिए। किसी भी बात में लिखी ये कोई बात मायने नहीं रखती है क्या? हम भारतीय एक-दूसरे के लिए मायने रखते हैं, जब हम आगे बढ़ेंगे तब देश आगे बढ़ेगा। जय हिंद।'

वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने के लिए कोशिश जारीः अदार पूनावाला

मुंबई। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के प्रमुख अदार पुनावाला ने कहा कि वैक्सीन की मांग को पूरा करने के लिए उत्पादन में तेजी लाने की पूरी कोशिश की जा रही हैं। एसआईआई के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष अदार पुनावाला ने एक ट्वीट में कहा कि संस्थान भारतीय बाजार में प्राथमिकता से टीका उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश कर रहा हैं। उन्होंने जिंदल साउथ वेस्ट के अध्यक्ष सज्जन जिंदल के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि सीरम इंस्टिट्यूट में हम भारत के लिए प्राथमिकता से वैक्सीन उत्पादन बढ़ाने और नई वैक्सीन उतारने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम जिंदल साउथ वेस्ट के देश में चिकित्सीय ऑक्सीजन की आपूर्ति को पूरा करने के प्रयासों के लिए आभारी हैं। हम इस महामारी के खिलाफ इस लड़ाई में एक साथ खड़े हैं। सज्जन जिंदल ने दरअसल इससे पहले एसआईआई, भारत बायोटेक और उसकी प्रबंध निदेशक कृष्णा एल्ला को ट्वीटर पर टैग कर कहा कि कोरोना संक्रमण से जीतने का एक मात्र विकल्प देश में सभी को टीका लगाना है। भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा अपनी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाते हुए देखना बेहद अच्छा है। गौरतलब है कि भारत बायोटेक और सीरम इंस्टीट्यूट देश में दो प्रमुख वैक्सीन निर्माता कंपनी हैं। दोनों ने अब तक कई राज्यों को वैक्सीन की आपूर्ति की है और यह लगातार जारी है।

बिजली खपत मई के पहले पखवाड़े में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । देश में बिजली खपत मई के पहले पखवाड़े में पिछले साल के मुकाबले करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 51.67 अरब यूनिट रही। यह बिजली की औद्योगिक और वाणिज्यिक मांग में पुनरूद्धार को बताता है। विद्युत मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार मई 2020 के पहले पखवाड़े में बिजली खपत 43.55 अरब यूनिट रही थी। पिछले साल मई में पूरे माह के दौरान बिजली खपत 102.08 अरब यूनिट थी। इस साल मई के पहले पखवाड़े एक मई से 14 मई बिजली की अधिकतम मांग छह मई, 2021 को 1,68,780 मेगावाट रही। यह पिछले साल 13 मई को अधिकतम मांग 1,46,540 मेगावाट के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक है। बिजली की खपत अप्रैल महीने में करीब 40 प्रतिशत बढ़कर 118.08 अरब यूनिट रही। पिछले साल अप्रैल में कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए मार्च के अंतिम सप्ताह में लगाये गए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण बिजली खपत घटकर 84.55 अरब यूनिट रह गई थी। बिजली खपत मई 2020 में 102.80 अरब यूनिट रही जो मई 2019 में 120.02 अरब यूनिट थी।

विदेशी निवेशकों ने मई में अब तक 6,452 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय बाजार से मई में अब तक 6,452 करोड़ रुपए निकाले हैं। कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के कारण निवेशक धारणा प्रभावित होने के बीच बाजार से निवेश राशि निकाली गई। डिपोजिटरी आंकड़े के अनुसार विदेशी निवेशकों ने एक से 14 मई के बीच शेयर बाजारों से 6,427 करोड़ रुपए और 25 करोड़ रुपए बांड बाजार से निकाले। इस दौरान शुद्ध रूप से 6,452 करोड़ रुपए बाजार से निकाले गए। इससे पिछले महीने में, शेयर बाजार और बांड बाजार से शुद्ध रूप से कुल 9,435 करोड़ रुपए की निकासी गई थी। बाजार के जानकारों का कहना है कि महामारी और उसकी रोकथाम के लिए लगाये गए लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला वास्तविक प्रभाव अभी साफ नहीं है, लेकिन निवेशक परेशान तथा सतर्क हैं। एफपीआई का ध्यान अब आर्थिक आंकड़ों के साथ इस बात पर है कि भारत कितनी जल्दी आर्थिक विकास करता है। अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती है, तो इसका नकारात्मक असर पड़ेगा।

माइक्रोसॉफ्ट, एडब्ल्यूएस सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार में साझा किया शीर्ष स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

माइक्रोसॉफ्ट ने अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के साथ शीर्ष स्थान साझा किया है क्योंकि दुनिया भर में सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार 2020 में 24.1 फीसदी (साल-दर-साल) बढ़ा है, जिसका राजस्व 312 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसकी जानकारी अंतर्राष्ट्रीय डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी)ने दी। 2020 में शीर्ष 5 सार्वजनिक क्लाउड सेवा प्रदाताओं (अमेजॅन वेब सर्विसेज, माइक्रोसॉफ्ट, सेल्सफोर्स डॉट कॉम, गूगल और ओरेकल) के संयुक्त राजस्व के साथ दुनिया भर में कुल 38 प्रतिशत पर कब्जा कर रहा है और साल दर साल 32 प्रतिशत बढ़ रहा है। एसएएएस और एसआईएसएएएस के विस्तारित पोर्टफोलियो के लिए धन्यवाद, माइक्रोसॉफ्ट अब पूरे सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार में एडब्ल्यूएस के साथ शीर्ष स्थान साझा करता है, दोनों कंपनियों के पास साल के लिए 12.8 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी है। सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार में एक सेवा के रूप में बुनियादी ढांचा (आईएएएस), एक सेवा के रूप में सिस्टम इंफास्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर (एसआईएसएएएस), एक सेवा के रूप में प्लेटफॉर्म (पीएएएस),

और एक सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर (एसएएएस) शामिल हैं। आईडीसी में वर्ल्डवाइड रिसर्च के ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट रिक विलार्स ने कहा, सार्वजनिक क्लाउड में साझा बुनियादी ढांचे, डेटा और एप्लिकेशन संसाधनों तक पहुंच ने संगठनों और लोगों को पिछले साल के व्यवधानों को नेविगेट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जबकि पिछले चार वर्षों के अनुरूप, 2020 में समग्र सार्वजनिक क्लाउड सेवा बाजार में 24.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, आईएएएस और पीएएएस सेगमेंट लगातार बहुत तेज दरों पर बढ़े हैं।

यामहा ने बढ़ाई सर्विस और वारंटी की सीमा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना की दूसरी लहर को देखते हुए इंडिया यामाहा मोटर ने अपनी सर्विस और वारंटी की सीमा में बढ़ोतरी कर दी है। कंपनी ने यामाहा लाइफटाइम क्वालिटी केयर की अपनी रणनीति के तहत सर्विस और वारंटी की समय सीमा को 30 जून, 2021 तक के लिए बढ़ा दिया है। यामाहा की सभी डीलरशिप को भी यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि ग्राहकों तक ये सभी फायदे आसानी से पहुंचें। इससे पहले देशभर में कोरोना के मौजूदा हालत को देखते हुए इंडिया यामाहा मोटर ने अपने कांचीपुरम (तमिलनाडु) और सूरजपुर (उत्तर प्रदेश) के प्रोडक्शन यूनिट को अस्थाई रुप से बंद करने का ऐलान किया। इन यूनिट्स में 15 मई 2021 से लेकर 31 मई 2021 तक वाहनों का उत्पादन बंद रहेगा। कंपनी ने कहा` कि यामाहा मोटर इंडिया ने कोविड -19 के खिलाफ अपनी लड़ाई में सरकार का समर्थन करने के लिए यह कदम उठाया है, तो कि इससे कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके। मौजूदा समय में, अपने कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा कंपनी के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस रुकावट का कम से कम असर पड़े इसके लिए यामाहा अपने डीलरों और सप्लायर्स के साथ काम करता रहेगा।

सोने का आयात अप्रैल में बढ़कर 6.3 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । देश में घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात अप्रैल में बढ़कर 6.3 अरब डॉलर पहुंच गया। सोने के आयात का असर देश के चालू खाते के घाटे पर पड़ता है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार हालांकि आलोच्य महीने में चांदी का आयात 88.53 प्रतिशत घटकर 1.19 करोड़ डॉलर रहा। आंकड़े के अनुसार सोने का आयात पिछले साल अप्रैल में 28.3 लाख डॉलर (21.61 करोड़ रुपए) का है। स्वर्ण आयात बढ़ने से देश का व्यापार घाटा अप्रैल 2021 में 15.1 अरब डॉलर रहा जो पिछले साल इसी महीने में 6.76 अरब डॉलर था। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार घरेलू मांग बढ़ने से सोने का आयात बढ़ा है। हालांकि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर से आने वाले महीनों में मांग प्रभावित हो सकती है। सोने की खरीदारी के लिहाज से शुभ माने जाने वाले अक्षय तृतीय के दिन कोविड पूर्व स्थिति के मुकाबले बिक्री हल्की रही। महामारी के फैलने और उस पर अंकुश लगाने के लिए विभिन्न राज्यों में लॉकडाउन और अन्य पाबंदियों से उपभोक्ता धारणा प्रभावित हुई है। अक्षय तृतीय के मौके पर सामान्य तौर पर 30-40 टन सोने की बिक्री होती है, लेकिन इस बार बिक्री एक टन से भी संभवतः कम रही है। देश का चालू खाते का घाटा दिसंबर तिमाही में 1.7 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.2 प्रतिशत रहा। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक देश है। मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए सोने का आयात किया जाता है।

आठ प्रमुख कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ घटा

- दस प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक मूल्यवान कंपनी रही

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में से आठ के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से 1,13,074.57 करोड़ रुपए की कमी आई। इसमें सर्वाधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक रहे। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में से केवल दो रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक साप्ताहिक आधार पर लाभ में रहे। टीसीएस की बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 30,054.79 करोड़ रुपए लुढ़क कर 11,28,488.10 करोड़ रुपए रहा। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 15,168.41 करोड़ रुपए घट कर 5,61,060.44 करोड़ रुपए रहा। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 15,139.12 करोड़ रुपए कम होकर 7,65,035.49 करोड़ रुपए और कोटक महिंद्रा बैंक का एम कैप 14,398.04 करोड़ रुपए घटकर 3,38,358.80 करोड़ रुपए रहा।

एचडीएफसी का एमकैप 13,430.38 करोड़ रुपए कम होकर 4,36,879.75 करोड़ रुपए तथा बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 9,844.62 करोड़ रुपए घटकर 3,21,592.05 करोड़ रुपए रहा। हिंदुस्तान यूनिलीवर का एमकैप 8,505.43 करोड़ रुपए कम होकर 5,58,445.28 करोड़ रुपए तथा आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,533.78 करोड़ रुपए घटकर 4,13,243.07 करोड़ रुपए रहा। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 3,518.62 करोड़ रुपए बढ़कर 12,27,855.04 करोड़ रुपए जबकि भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 2,052.66 करोड़ रुपए मजबूत होकर 3,21,732.25 करोड़ रुपए पहुंच गया। शीर्ष दस कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सर्वाधिक मूल्यवान कंपनी रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस लिमिटेड का स्थान रहा।

भारत में स्मार्टफोन, लैपटॉप हो सकते हैं महंगे

चीन में बने डिवाइस के आयात को मंजूरी मिलने में हो रही देरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अमेरिकी, चीनी और कोरियन कंपनियों द्वारा चीन में बने डिवाइस के आयात के लिए सरकार के पास 80 आवेदन छह महीने से अधिक समय से लंबित हैं। इस वजह से अगले कुछ दिनों में भारत में स्मार्टफोन, टेबलेट और लैपटॉप की लॉन्चिंग डेट आगे बढ़ा रही हैं। आरोप है कि भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय के वायरलेस प्लैनिंग एंड कोऑर्डिनेशन विंग ने इस तरह के आवेदन को नवंबर से ही मंजूरी नहीं दी है।

इस मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। वह इन आवेदनों पर अनुमति देने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। कई भारतीय कंपनियां भी इस तरह के कंपोनेंट का चीन से आयात करती हैं, उनके भी आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। इस बारे में डेल , वाईफाई मॉड्यूल का इस्तेमाल किया जाता है, जिसकी आयात की अनुमति देने में जानबूझकर देरी करने का आरोप लगाया जा रहा है। इस वजह से अमेरिकी कंप्यूटर निर्माता कंपनी डेल और एचपी के साथ चीन की स्मार्टफोन कंपनी शाओमी, ओपो, विवो और लेनोवो अपने नए प्रोडक्ट की लॉन्चिंग डेट आगे बढ़ा रही हैं। आरोप है कि भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय के वायरलेस प्लैनिंग एंड कोऑर्डिनेशन विंग ने इस तरह के आवेदन को नवंबर से ही मंजूरी नहीं दी है।

इस मामले से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी है। वह इन आवेदनों पर अनुमति देने के लिए लॉबिंग कर रहे हैं। कई भारतीय कंपनियां भी इस तरह के कंपोनेंट का चीन से आयात करती हैं, उनके भी आवेदन लंबित पड़े हुए हैं। इस बारे में डेल , एचपी, शाओमी, ओपो, विवो और लेनोवो ने कमेंट करने से इंकार कर दिया है। भारत सरकार के दूरसंचार मंत्रालय ने भी इस मसले पर कुछ बोलने से इंकार कर दिया है। सूत्रों ने कहा है कि उद्योग जगत की संस्था और स्मार्टफोन एवं लैपटॉप बनाने वाली कंपनियों के प्रतिनिधि मंडल ने सरकार से मिलकर इस मामले पर कार्रवाई करने की मांग की थी, लेकिन अब तक सरकार ने इस बारे में कुछ नहीं किया है। भारत में कोरोना संकट बढ़ने के मद्देनजर पिछले साल मार्च से ही स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए थे। इस वजह से पढ़ाई कर रहे बच्चों को लैपटॉप स्मार्टफोन और टेबलेट की जरूरत अधिक पढ़ रही थी।

चीन से आयात कम करने की कोशिश की वजह से फिनिश्ड प्रोडक्ट के आयात को मंजूरी नहीं देने के आरोप लग रहे हैं। इस वजह से देश में स्मार्टफोन और लैपटॉप की कीमत में भी इजाफा हो सकता है और आने वाले समय में इस की किल्लत भी हो सकती है। चीन से आयात को लगातार कम करने की कोशिश की जा रही है। भारत सरकार ने लद्दाख में चीन सीमा पर हुई एक हिंसक झड़प में भारत के जवानों के मारे जाने के बाद चीन से आयात पर घोषित और अघोषित प्रतिबंध लगाया हुआ है। इसके बाद से ही कई कमोडिटी के आयात पर सीमा शुल्क में भारी वृद्धि की गई है। भारत सरकार ने देश में कारोबार कर रही चीनी कंपनियों पर कई शर्त लगा दी है। इसके साथ ही फिनिश्ड प्रोडक्ट के इंपोर्ट को पूरी तरह बैन करने से संबंधित कदम उठाये जा रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने की बड़ी योजनाएं बनाई हैं। चीन से फिनिश्ड प्रोडक्ट के आयात पर इसी वजह से प्रतिबंध लगाया जा रहा है।

वायाट्रिस इंक. ने सर्वप्रथम स्थिरता रिपोर्ट जारी कर बेहतर स्वास्थ्य और बेहतर विश्व समुदाय बनाने की प्रतिबद्धता दुहरायी

नवंबर 2020 में गठित नई किस्म की स्वास्थ्य सेवा कम्पनी वायाट्रिस इक (NASDAQ. VTRS) ने आज अपनी सर्वप्रथम स्थिरता रिपोर्ट जारी की। इसमें कम्पनी की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी की मजबूत नींव और दुनिया की सबसे जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं में कुछ के समाधान की अपनी प्रतिबध्दता दुहराई। भौगोलिक स्थिति या परिस्थिति चाहे जो हो वायाट्रिस उच्च गुणवत्ता की दवाओं की निरंतर आपूर्ति के लिए प्रतिबध्द रही है। इस रिपोर्ट में वायाट्रिस कारोबार का व्यापक, उद्यम- व्यापी परिदृश्य सामने रखा गया है। क्योंकि इनका पर्यावरण, समाज और प्रशासन (ईएसजी) से संबंध है और कम्पनी ने पांच प्रमुख प्रभावोत्पादक क्षेत्रों में पिछले एक साल के अपने प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की है- मरीज का स्वास्थ्य, कर्मचारी का स्वास्य पर्यावरण का स्वास्थ्य, वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य। रिपोर्ट में कोविड-19 से लड़ाई में वायाट्रिस की भूमिका का गहन अवलोकन भी शामिल है।

वायाट्रिस के सीईओ माइकल गेटलर ने कहा: दुनिया की लगभग आधी आबादी ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में सक्षम है- कोविड-19 महामारी से इस आंकड़े का और बुरा हाल हो गया है- पूरी दुनिया में दवाएं पहुंचे यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत काम करना होगा। वायाट्रिस में हम अपने ग्लोबल प्लेटफार्म और व्यापक पोर्टफोलियों से खास मुकाम पर हैं जहां से बड़ा बदलाव करना मुमकिन है। स्थिरता हमारे मिशन की बुनियाद है और हमारी सभी व्यावसायिक प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए अनिवार्य है। हमारा विश्वास है कि कम्पनियां सदैव शक्तिशाली हो सकती है यही वजह है कि वायाट्रिस को गये है कि यह संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट और इसके 10 सिद्धांतों का हस्ताक्षरी है।

इस रिपोर्ट में विशेष ध्यान के जिन क्षेत्रों के समाधान है उनमें वायाट्रिस के सक्रिय प्रयास शामिल है।

सीएनएच इंडस्ट्रियल (इंडिया) द्वारा आगे बढ़ कर कोविड-19 के मामलों से निपटने के प्रयास जारी

पूरे देश में कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर को देखते हुए सीएनएच इंडस्ट्रियल ने कोविड-19 की रोकथाम के कई कदम उठाये और इस कठिन समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के साथ खड़ा रहने को प्रतिबद्ध है। महामारी की शुरुआत से ही कम्पनी अपने ग्रेटर नोएडा, पुणे, पीथमपुर प्लांट और गुड़गांव कॉर्पोरेट कार्यालय में आवश्यक सावधानियां बरत रही है जैसे कि दैनिक तापमान की जांच, सामाजिक दूरी बनाए रखना, अरोग्य सेतु ऐप पर अनिवार्य पंजीकरण, कम्पनी के सभी केंद्रों पर मास्क और दस्ताने के साथ-साथ आंखों की सुरक्षा के उपकरणों का प्रावधान करना और फिर दैनिक स्वच्छता में नियमितता बरतना।

सीएनएच इंडस्ट्रियल, इंडिया और सार्क के कंट्री मैनेजर, रौनक वर्मा ने उपरोक्त कदमों के बारे में कहा, ''सीएनएच इंडस्ट्रियल में हमारे लिए सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण कर्मचारियों का स्वास्थ्य और सुरक्षा है। हम ने अपने कार्मिकों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा के सभी उपाय किए हैं। हमारी नेतृत्व टीम और मेरे द्वारा हमारे कार्य स्थलों की स्थिति की रियल टाइम सीधी निगरानी की जाती है ताकि यदि कोई कर्मचारी बीमार हो और अस्पताल में भर्ती हो तो समय से सेवा और सहायता दी जाए।''

हालांकि ये कदम भारत के सभी जिम्मेदार व्यवसाय संगठन आमतौर पर लेते हैं लेकिन सीएनएच इंडस्ट्रियल इस लिहाज से खास है कि इसने कर्मचारियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई अतिरिक्त महत्वपूर्ण उपाय किए हैं:

- कोविड संक्रमण के प्रति सभी कर्मचारियों और उनके निकटतम परिवार जनों के लिए बीमा - जांच में पॉजिटिव या घर पर क्वारंटीन सभी कर्मचारियों को 50,000 की आर्थिक सहायता दी जाती है। सीएनएच इंडस्ट्रियल इंडिया के सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक होम केयर कवरेज भी है, जिसके तहत घर पर रिकवर करते परिवार के प्रत्येक सदस्य को 20,000 तक का कवर है।

ब्लू डार्ट ने ब्लू डार्ट मेड-एक्सप्रेस कंसोर्शियम का गठन किया

भारत की अग्रणी एक्सप्रेस लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता कंपनी ब्लू डार्ट ने ब्लू डार्ट मेड-एक्सप्रेस कंसोर्शियम का गठन किया है, जिसका लक्ष्य भारत के सुदूर इलाकों में ड्रोन के जरिए वैक्सीन और आपातकालीन चिकित्सीय सामग्रियों की डिलीवरी का स्वरुप बदलना है। ब्लू डार्ट, डॉयचे पोस्ट डीएचएल ग्रूप (डीपीडीएचएल) का हिस्सा है। ब्लू डार्ट मेड-एक्सप्रेस कंसोर्शियम तेलंगाना सरकार, विश्व आर्थिक मंच, नीति आयोग और हेल्थनेट ग्लोबल के सहयोग से संचालित 'मेडिसिन फ्रॉम द स्काई' परियोजना का हिस्सा है। इस महामारी से लड़ने में देश की मदद करने के मामले में गर्व की भावना से ओत-प्रोत बैलजोर मैनुएल, मैनेजिंग डायरेक्टर, ब्लू डार्ट ने कहा कि, "एक साल से अधिक का समय हो चुका है और कोविड-19 के खिलाफ हमारी लड़ाई में कई नई चुनौतियाँ सामने आ रही है, जिसका हमें रियल टाइम में समाधान करने की जरूरत है। इस महामारी ने हम सभी को लॉजिस्टिक्स और प्रौद्योगिकी आधारित आपूर्ति श्रृंखला की अहमियत का एहसास दिलाया है। एक संगठन के तौर पर ब्लू डार्ट हमेशा से ही भविष्य की प्रौद्योगिकियों से घिरी रही है। हमारी इसी योग्यता ने हमें न केवल इस महामारी में टिकाए रखा बल्कि हमारी ग्रोथ को मजबूती मिली। हम देश के 35,000 से अधिक स्थलों तक पहुंच रखते हैं लेकिन मौजूदा स्थिति में वैक्सीन की पैठ और अधिक बढ़ाने की ज़रुरत है।"

नज़रों से दूर दुर्गम स्थलों तक ड्रोन के जरिए टीके की आपूर्ति के प्रयोग के बारे में केतन कुलकर्णी, सीएमओ और हेड – बिजनेस डेवलपमेंट, ब्लू डार्ट ने कहा कि, "कंसोर्शियम का उद्देश्य सुरक्षित, कुशल और किफायती ड्रोन डिलीवरी उड़ानों को सक्षम करना है। कुशल प्रणालियों से युक्त यह मौजूदा लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा लॉजिस्टिक्स तेज और ज्यादा कार्यकुशल हो जाएगा। हमें परिचालन शुरू करने का अधिकार मिलने की खुशी है और निश्चित रूप से यह समय की जरूरत है। मानवता इस समय सर्वाधिक खराब दौर से गुजर रही है और ऐसे समय में ब्लू डार्ट अपने परिचालन क्षेत्र के समाज को वापस देने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें वह संचालित होता है। ब्लू डार्ट एक कदम आगे बढ़ाने के लिए हमेशा तैयार रहेगा।" नागर विमानन मंत्रालय (MoCA) ने इस परियोजना को जरूरी छूट और प्रायोगिक स्तर पर तेलंगाना में ड्रोन के संचालन की अनुमित दी है। इसका मकसद वितरण केंद्र से निश्चित स्थानों तक स्वास्थ्य सेवाओं, मसलन दवा, कोविड-19 टीका, ब्लड, जांच उपकरण और अन्य जीवन रक्षक उपकरणों की सुरक्षित, सटीक और भरोसेमंद पिक अप और डिलीवरी के लिए वैकल्पिक लॉजिस्टिक मार्ग का आकलन करना है।

गेहूं की खरीद 30 प्रतिशत बढ़कर 366.61 लाख टन पहुंची

मुंबई (एजेंसी)।

देश में चालू रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कुल 366.61 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई जो पिछले साल के इसी सीजन के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। यह खरीद 37.15 लाख किसानों से की गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में एमएसपी के तहत 282.69 लाख टन गेहूं खरीदी गई थी। खाद्य मंत्रालय ने कहा कि खरीफ विपणन सीजन 2020-21 और रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी है। उसने कहा कि चालू रबी विपणन सीजन में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 72,406.11 करोड़ रुपए की खरीद से लगभग 37.15 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। कुल 742.41 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद के साथ खरीफ के चालू सीजन 2020-21 में खरीद करने वाले राज्यों में धान की खरीद सुचारू रूप से जारी है। चालू खरीफ विपणन सीजन के खरीद अभियान के जरिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 1,40,165.72 करोड़ रुपए की खरीद से लगभग 1.11 करोड़ लाख किसानों को फायदा हुआ है।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर से हटा उत्तर कोरिया

कुआलालम्पुर। उत्तर कोरिया ने कतर में 2022 में होने वाले फीफा विश्व कप के लिए आयोजित किए जा रहे एशियाई क्वालीफाईंग टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। एशियाई फुटबाल परिसंघ (एएफसी) ने रविवार को इसकी पुष्टि की। एएफसी ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने फीफा विश्व कप कतर 2022 के अलावा एएफसी एशियाई कप चीन 2023 के लिए जारी से भी अपना नाम वापस ले लिया है। एएफसी ने अपने बयान में कहा, यह मामला अब फीफा प्रतियोगिताओं की आयोजन समिति को भेजा जाएगा और ग्रुप-एच में स्टैंडिंग के बारे में और विवरण, जिसमें मौजूदा तुर्कमेनिस्तान, केंद्रीकृत स्थल मेजबान कोरिया गणराज्य, लेबनान और श्रीलंका शामिल हैं, की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। बाहर होने से पहले उत्तर कोरिया ग्रुप-एच मनें चौथे स्थान पर था। उसने पांच मैच खेले थे और ग्रुप लीडर तुर्कमेनिस्तान से एक अंक पीछे था। उल्लेखनीय है कि फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन कतर की राजधानी दोहा में होना है जबकि एएफसी एशियाई कप चीन 2023 का आयोजन 16 जूवन से 16 जुलाई के बीच होना है।

ओलंपिक की तैयारी पर सिंधू ने कहा-

कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक से पहले टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले पाना भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की बड़ी चिंता है लेकिन पीवी सिंधू के साथ ऐसा नहीं है जिन्हें कोरिया के अपने कोच पार्क तेइ सेंग पर विश्वास है कि वह उनके लिए ट्रेनिंग में ही मैच जैसी स्थिति तैयार करेंगे। कोविड-19 महामारी के कारण बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) को भारत, मलेशिया और सिंगापुर में बाकी बचे तीन ओलंपिक क्वालीफायर टूर्नामेंट रद्द करने के लिए बाध्य होना पड़ा। जुलाई-अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले ये तीनों अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं थी। यह पूछने पर कि क्या प्रतियोगिताओं के रद्द होने से तैयारियों पर असर पड़ेगा, सिंधू ने कहा कि हम सोच रहे थे कि ओलंपिक से पहले सिंगापुर में आखिरी प्रतियोगिता होगी लेकिन अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं अलग अलग खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेल रही हूं और मेरे कोच पार्क ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए मैच जैसी स्थिति तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। अलग अलग खिलाड़ियों के खेलने की शैली अलग होती है जैसे ताइ जू यिंग या रतचानोक इंतानोन के खेलने की शैली अलग है लेकिन मेरे मार्गदर्शन के लिए पार्क मौजूद हैं जिससे कि मैं तैयारी कर सकूं। सिंधू ने कहा कि बेशक हम एक दूसरे के खिलाफ कुछ महीनों के बाद खेलेंगे और हमारे खेल में कुछ नया होगा इसलिए मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। सिंधू ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं। वह तेलंगाना के गचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही हैं और अपनी फिटनेस ट्रेनिंग सुचित्रा अकादमी में करती हैं। पच्चीस साल की इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंटों को रद्द करने के बीडब्ल्यूएफ के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह दुखद है कि प्रतियोगिताएं नहीं खेली जा सकीं लेकिन खेल से अधिक महत्वपूर्ण जीवन है। सिंधू ने कहा कि यह दुखद है कि पूरी दुनिया थम सी गई है लेकिन खिलाड़ियों से पहले हम इंसान है और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। अगर टूर्नामेंट होते हैं तो हमें नहीं पता कि हम सुरक्षित होंगे या नहीं, हम सोच सकते हैं कि हम सुरक्षित होंगे लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हो सकते क्योंकि हमें नहीं पता कि वायरस कहां से आ जाएगा। गत विश्व चैंपियन सिंधू ने कहा कि ओलंपिक जैसी शीर्ष प्रतियोगिता में आयोजकों और खिलाड़ियों के लिए कोविड-19 से जुड़े नियमों का पालन करना मुश्किल काम होगा और सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी देशों के कोविड-19 से जुड़े अपने नियम हैं। थाईलैंड में प्रत्येक दूसरे या तीसरे दिन हमारा परीक्षण होता था, आल इंग्लैंड में साथ यात्रा करने वालों में एक मामला आने के बाद पूरे दल को टूर्नामेंट से हटना पड़ा लेकिन हमें ऐसी चीजों से निपटना होगा। मैंने सुना है कि ओलंपिक में प्रत्येक दिन हमारा परीक्षण होगा। खेलने से पहले हमें आरटी-पीसीआर परीक्षण में नेगेटिव आना होगा और मैच के बाद दोबारा परीक्षण होगा, निश्चित तौर पर यह मुश्किल काम है। इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में साइना नेहवाल और बी साई प्रणीत जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को गलत पॉजिटिव नतीजों के कारण हटना पड़ा और सिंधू ने उम्मीद जताई कि ओलंपिक के दौरान ऐसा नहीं होगा।

कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, विरोधी टीम को उसी की योजना में फंसाने का है हुनर- टिम पेन

मेलबर्न (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और वह विरोधी टीम पर उसी के अंदाज में प्रहार करते हैं। उन्होंने 2018-19 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारतीय कप्तान के 'प्रतिस्पर्धी रवैये' को हमेशा 'याद' रखेंगे। इस 36 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के पोडकास्ट में कहा कि विराट कोहली के लिए मैंने कई बार कहा है कि वह उस प्रकार के खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना पसंद करेंगे। वह प्रतिस्पर्धी है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उनके (कोहली) खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है और वह आपकी चाल में नहीं फंसते है क्योंकि वह खेल में बहुत अच्छे और प्रतिस्पर्धी है। कोहली की अगुवाई में भारत ने 2018-19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को 2-1 से जीता था और पूरी श्रृंखला के दौरान दोनों कप्तानों के बीच कई बार जुबानी जंग देखने को मिली थी। पेन ने कहा कि हां, चार साल पहले उनसे मतभेद हुए थे। वह ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगा।

रोचक बात यह है कि पेन ने ही पिछले साल कहा था कि कोहली भारतीय टीम में 'किसी अन्य खिलाड़ी' की तरह से हैं जिनके बारे में वह 'ज्यादा नहीं सोचते है'। पेन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोहली को 'नापसंद करना पसंद' है।

इटालियन ओपन : स्विएतेक ने प्लिसकोवा को हराकर जीता खिताब

रोम। पोलेंड की इगा स्विएतेक ने चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा को हराकर इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल वर्ग का खिताब जीत लिया। स्विएतेक ने फाइनल में प्लिसकोवा को लगातार सेटों में 6-0, 6-0 से हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ ही स्विएतेक ने अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता। डब्ल्यूटीए रैंकिंग में 15वें रैंक की स्विएतेक का इस सीजन का यह दूसरा खिताब है और इस जीत के साथ ही वह शीर्ष-10 में शामिल हो गई हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है। कोविड-19 महामारी के बीच सिर्फ एक श्रृंखला खेलने वाली भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलने के लिए अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड दौरे पर टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलने हैं। आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट ने संकेत दिए कि भारतीय टीम सितंबर में देश का दौरा कर सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हालांकि अब तक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। इस दौरे पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 मुकाबले खेले जाने की उम्मीद है। शुट ने केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले की मेजबानी पर कहा कि सितंबर के मध्य में हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। इसलिए कुछ शिविर आयोजित होंगे। मुझे लगता है कि एक डार्विन में होगा जहां काफी ठंड होगी और इसके बाद भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी। इसके बाद बिग बैश, एशेज, विश्व कप और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेल होंगे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी शीर्ष परिषद की पिछली बैठक में न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दौरे को भी स्वीकृति दी थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला को भी स्वीकृति मिली थी। आस्ट्रेलिया का दौरा शुरुआत में इस साल जनवरी में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के बीच विश्व कप को 2022 तक टालने के बाद इसे भी स्थगित कर दिया गया।

इंग्लैंड सीरीज में क्या होगी रणनीति? शमी ने कहा: मैं सोचने में विश्वास नहीं करता

(एजेंसी)।

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में पहले टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद शमी की कोहनी लग गई थी जिस कारण वह चोटिल हो गए थे। उन्हें शेष श्रृंखला के साथ-साथ इंग्लैंड के साथ घरेलु श्रृंखला से बाहर कर दिया गया था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लय वापस पाने वाले शमी ने इंग्लैंड सीरीज पर रणनीति के बारे में कहा कि वह सोचने में विश्वास नहीं करते। शमी ने एक विदेशी मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान कहा, वर्षों के अनुभव ने मुझे अपने शरीर की देखभाल करना सीखने में मदद की है। मुझे पता है कि कितनी ट्रेनिंग की जरूरत है, खुद को कैसे हाइड्रेट रखना है आदि इन सभी कारकों ने भी मदद की होगी। चार महीने के बाद एक्शन में लौटने पर शमी ने आईपीएल 14 में पंजाब किंग्स के लिए अच्छा प्रदर्शन किया और 8 मैचों में इतने ही विकेट लिए। शमी अगले महीने इंग्लैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल और अगस्त-सितंबर में मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का इंतजार कर रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि इंग्लैंड में श्रृंखला के दौरान उनकी रणनीति क्या होगी? इस 30 वर्षीय ने कहा, मैं इस बारे में सोचने में विश्वास नहीं करता कि मेरा दृष्टिकोण क्या होगा।

मैंने आईपीएल में अपनी लय वापस पाई और बाकी निश्चित रूप से स्थिति पर निर्भर करता है। शमी, जो कपिल देव, जवागल श्रीनाथ, जहीर खान और इशांत शर्मा के बाद टेस्ट मैचों में 200 विकेट तक पहुंचने वाले पांचवें भारतीय तेज गेंदबाज बनने से अब 20 विकेट दूर हैं, ने कहा कि वह इंग्लैंड दौरे पर कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, योजना बनाने का कोई मतलब नहीं है। किसने सोचा होगा कि महामारी हमारे जीवन के 2 साल लगभग नष्ट कर देगी? मैं प्रत्येक श्रृंखला या टूर्नामेंट जैसा भी हो, खेलना पसंद करता हूं।

पैरालम्पिक - भारतीय एथलैटिक्स टीमं के चयन के लिए जून में होगा ट्रायल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय पैरालम्पिक समिति (पीसीआई) आने वाले टोक्यो ओलंपिक के लिए भारतीय ट्रैक और फील्ड टीम चुनने के लिए अगले महीने राष्ट्रीय ट्रायल लेगी। पीसीआई के महासचिव गुरशरन सिंह ने रविवार को बताया कि ट्रायल जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 15 और 16 जून को आयोजित होंगे। सिंह ने आईएएनएस से कहा, राष्ट्रीय टीम के चयन के लिए हम जून में ट्रायल लेंगे। अगर महामारी के कारण हम ट्रायल नहीं ले पाए तो पैरालम्पिक खेलों के लिए एथलीटों के चयन करने को लेकर अन्य विकल्प तलाशेंगे। पैरालम्पिक खेलों को 24 अगस्त से पांच सितंबर तक होना है। सिंह के अनुसार, पीसीआई भारतीय ट्रैक और फील्ड के लिए 16 से 20 कोटा एलॉट करेगी। सिंह ने कहा, 70 से ज्यादा एथलीटों ने अपने-अपने इवेंट में न्यूनतम योग्यता स्कोर हासिल किया है और ये सभी जून में राष्ट्रीय ट्रायल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीटों में पुरुष भाला फेंक और ऊंची कूद इवेंट में पदक जीतने की क्षमता है। सिंह ने कहा, सुमित अंतिल और संदीप चौधरी पुरुष एफ-44 वर्ग में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट हैं। हाल ही में सुमित ने राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 66.70 मीटर का विश्व रिकॉर्ड सेट किया था। संदीप ने भी 2019 विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। हमें उम्मीद है कि दोनों एथलीट भविष्य में भी अपनी फॉर्म बरकरार रखेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गोल्फ : ब्रिटिश मास्टर्स में 34वें रहे शुभांकर, ब्लैंड ने जीता खिताब

विशॉ (स्कॉटलैंड)। प्रमुख भारतीय गोल्फर शुभांकर शर्मा को यहां आयोजित बेटफ्रेड ब्रिटिश मास्टर्स टूर्नामेंट में रविवार को संयुक्त रूप से 34वां स्थान मिला। इंग्लैंड के रिचर्ड ब्लैंड ने अंतिम दिन 6 अंडर 66 और 72 होल के कोर्स पर कुल 13 अंडर पार स्कोर के साथ चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। भारत के चार गोल्फरों ने इस टूर्नामेंट के लिए शुरूआत की थी लेकिन सिर्फ शुभांकर ही कट हासिल कर सके थे। उनके अलावा अजीतेश संधू, एसएसपी चौरसिया और गगनजीत भुल्लर को निराशा मिली थी। ब्लैंड ने अपना क्लास सिखाते हुए कुल 478वें अपीयरेंस के बाद जाकर अपना पहला यूरोपीयन टूर खिताब जीता है।

कोविड-19 से उबरे CSK के बल्लेबाजी कोच माइक हसी, ऑस्ट्रेलिया के लिए हुए रवाना

चेन्नई। चेन्नई सुपरकिंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी कोविड-19 से उबरने के बाद रविवार को दोहा होते हुए ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए। इस इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। ऑस्ट्रेलिया के इस पूर्व बल्लेबाज का शुक्रवार को आरटी-पीसीआर परीक्षण का नतीजा नेगेटिव आया जिससे उनके रविवार तड़के रवाना होने का रास्ता साफ हुआ। सुपरकिंग्स के सीईओ केएस विश्वनाथन ने बताया कि हां, हसी व्यावसायिक उड़ान से दोहा होते हुए आस्ट्रेलिया के लिए रवाना हो गया है। वह रविवार तड़के रवाना हुआ। अब निर्लंबित हो चुकी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए हसी के सोमवार को स्वदेश पहुंचने की उम्मीद है। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में चार खिलाड़ियों के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद चार मई को आईपीएल को निलंबित कर दिया गया था। इसके बाद हसी और कोरोना वायरस पॉजिटिव पाए गए सुपरकिंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी को दिल्ली से एयर एंबुलेंस में चेन्नई लाया गया था। हसी के अलावा आईपीएल 2021 से जुड़े आस्ट्रेलिया के अन्य सदस्य मालदीव में पृथकवास पर हैं और वहां से आस्ट्रेलिया रवाना होंगे। इन सदस्यों में पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर और माइकल स्लेटर भी शामिल हैं। कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद हसी अपने साथियों के साथ मालदीव नहीं जा पाए थे।

सौरभ तिवारी और विराट ने प्लाज्मा प्रीमियर लीग का समर्थन किया

रांची। इंडियन प्रीमियर लीग जब स्थगित हो चुकी है तब सौरभ तिवारी और विराट सिंह जैसे राज्य के क्रिकेटर यहां प्लाज्मा प्रीमियर लीग (पीपीएल) का समर्थन कर रहे हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के कारण पूरे भारत के अस्पताल जब प्लाज्मा और खून की कमी से जूझ रहे हैं तब रविवार को यह टूर्नामेंट शुरू होगा जिसका लक्ष्य जिंदगी के लिए जूझ रहे लोगों के लिए प्लाज्मा जुटाना है।पीपीएल राज्य के भारतीय जनता पार्टी नेता और पूर्व विधायक कुणाल सारंगी का विचार है। झारखंड के बल्लेबाजों सौरभ तिवारी और विराट सिंह के अलावा पीपीएल को जिला प्रशासन और उद्योग जगत तथा गैर लाभकारी संस्थाओं का समर्थन हासिल है। पीपीएल में नौ टीमें प्रीसियस प्लाज्मा टाइगर्स, टेल्को रेड पैंथर्स, 3एस डेनेटर्स, हेल्पिंग हैंड्स, स्टील सिटी वारियर्स, जुगसलाई मास्क, सनराइज सुपरस्टार, जमशेदपुर किंग्स और रोट्रेक्ट 11 हिस्सा लेंगी।

तेंदुलकर का बड़ा खुलासा, मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ जब मैं रात को सो नहीं पाता था

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को कहा कि अपने 24 साल के करियर के एक बड़े हिस्से को उन्होंने तनाव में रहते हुए गुजारा है और वह बाद में इस बात को समझने में सफल रहे कि मैच से पहले तनाव खेल की उनकी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। कोविड-19 के दौरान बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) में अधिक समय बिताने से खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर के बारे में बात करते हुए मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि इससे निपटने के लिए इसकी स्वीकार्यता जरूरी है। तेंदुलकर ने एक परिचर्चा में कहा, 'समय के साथ मैंने महसूस किया कि खेल के लिए शारीरिक रूप से तैयारी करने के साथ आपको खुद को मानसिक रूप से भी तैयार करना होगा। मेरे दिमाग में मैदान में प्रवेश करने से बहुत पहले मैच शुरू हो जाता था। तनाव का स्तर बहुत अधिक रहता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले इस इकलौते पूर्व खिलाड़ी ने कहा, 'मैंने 10-12 वर्षों तक तनाव महसूस किया था, मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ था जब मैं रात में सो नहीं पता था। बाद में मैंने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया कि यह मेरी तैयारी का हिस्सा है। मैंने समय के साथ इस स्वीकार कर लिया कि मुझे रात में सोने में परेशानी होती थी। मैं अपने दिमाग को सहज रखने के लिए कुछ और करने लगता था।' उन्होंने कहा, इस 'कुछ और' में बल्लेबाजी अभ्यास, टेलीविजन देखना और वीडियो गेम्स खेलने के अलावा सुबह चाय बनाना भी शामिल था। रिकार्ड 200 टेस्ट मैच खेल कर 2013 में संन्यास लेने वाले इस खिलाडी ने कहा, 'मुझे मैच से पहले चाय बनाने, कपड़े इस्त्री करने जैसे कार्यों से भी खुद को खेल के लिए तैयार करने में मदद मिलती थी। मेरे भाई ने मुझे यह सब सिखाया था, मैं मैच से एक दिन पहले ही अपना बैग तैयार कर लेता था और यह एक आदत सी बन गई थी। मैंने भारत के लिए खेले अपने आखिरी मैच में भी ऐसा ही किया था। तेंदुलकर ने कहा कि खिलाड़ी को मुश्किल समय का सामना करना ही पड़ता है लेकिन यह जरूरी है कि वह बुरे समय को स्वीकार करें। उन्होंने कहा, 'जब आप चोटिल होते है तो चिकित्सक या फिजियो आपका इलाज करते है। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी ऐसा ही है। किसी के लिए भी अच्छे-बुरे समय का सामना सामान्य बात है।' उन्होंने कहा, 'इसके लिए आपको चीजों को स्वीकार करना होगा। यह सिर्फ खिलाड़ियों के लिए नहीं है बल्कि जो उसके साथ है उस पर भी लागू होती है।

बॉल टेम्परिंग एक बहुत बड़ी गलती थी : गेंदबाजी कोच

सिडनी। वर्ष 2018 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों द्वारा दक्षिण अफ्रीका दौरे पर की गई बॉल टेम्परिंग मामला हमेशा याद आने वाला है। यह कहना है 2018 में बॉल टेम्परिंग के समय आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजी कोच रहे डेविड सेकर का। उन्होंने माना कि यह एक बहुत बड़ी गलती थी। सेकर का बयान आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बैन बैनक्रॉफ्ट के उस बयान के बाद आया है, जिसमें बैनक्रॉफ्ट ने हाल में कहा था कि दक्षिण अफ्रीका में हुई टेस्ट सीरीज के दौरान हुए बॉल टेम्परिंग योजना को लेकर गेंदबाज पहले से ही अवगत थे। 2018 में हुए बॉल टेम्परिंग मामले में क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बैनक्रॉफ्ट पर नौ महीने का जबकि डेविड वॉर्नर और तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ पर 12-12 महीने का प्रतिबंध लगा दिया था। सेकर ने रविवार को द ऐज और सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, जाहिर है उस समय कई चीजें गलत हुई थी। इसके लिए लगातार उंगलियां उठाई जा रही थी। उन्होंने कहा, बहुत सारे लोगों को दोष दिया जा सकता है। मुझे भी दोष दिया जा सकता है। यह कोई और भी हो सकता है। इसे रोका जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हुआ जो कि दुर्भाग्यपूर्ण था। कैमरन बहुत अच्छा लड़का है। वह सिर्फ अपनी भड़ास निकालने के लिए ऐसा कर रहा है.. वह आखिरी नहीं होगा। साकेर ने माना की यह एक बहुत बड़ी गलती थी। उन्होंने कहा, इसके लिए आप मुझ पर उंगली उठा सकते हो, आप बूफ (तत्कालीन कोच डेरेन लैहमन) पर उंगली उठा सकते हैं। आप अन्य लोगों पर उंगली उठा सकते हो। निश्चित तौर पर आप ऐसा कर सकते हो। यह निराशाजनक है कि यह कभी खत्म होने वाला नहीं है। हम सब जानते हैं कि यह एक बहुत बड़ी गलती थी, जिसे कभी भूलाया नहीं जा सकता है।

गुजरात के चार महानगरों में बढ़ा ब्लैक फंगस का कहर

गांधीनगर ।

गुजरात में पिछले डेढ़ साल से कोरोना महामारी का कहर बरपा रहा है । इस बीच कोरोना के बाद ब्लैक फंगस की वजह से हालत दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है । अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट में २४ घंटे में इस नई बीमारी के १०० से अधिक नए मामले सामने आए हैं। कोरोना की चपेट में आने वाले मधुमेह, कैंसर और किडनी ट्रांसप्लांट वाले मरीजों में इस संक्रमण की आशंका सबसे ज्यादा होती है। कोरोना की चपेट में आए मरीजों को इलाज के लिए स्टेरॉयड दवा दी जाती है । इसके अलावा कुछ मरीजों को आईसीयू और ऑक्सीजन पर रखा जाता है । ऐसी परिस्थिति में ब्लैक फंगस के संक्रमण की आशंका रहती है । इस बीच जानकारी सामने आ रही है कि वडोदरा में इस बीमारी के शिकार में आए दो रोगियों को अपनी आखें खोना पड़ा । राज्य में ७०० से अधिक रोगियों का म्यूकोमाइकोसिस का इलाज चल रहा है । कई अस्पतालों में म्यूकोमाइकोसिस का इंजेक्शन और दवा न मिलने की शिकायतें बढ़ गई हैं। अहमदाबाद सिविल अस्पताल में म्यूकोमाइकोसिस के चार वार्डों में ३०० से अधिक रोगियों का इलाज चल रहा है। राजकोट में भी म्यूकोमाइकोसिस के मामले बढ़ रहे हैं। राजकोट में एक ही दिन में म्यूकोमाइकोसिस के ४५ नए मामले सामने आए है। वडोदरा में ब्लैक फंगस की चपेट में आने वाले दो मरीजों की सर्जरी के बाद आंखें निकालनी पड़ीं । सूरत में भी एक ही दिन में म्यूकोमाइकोसिस के १० से ज्यादा नए मामले सामने आए हैं । जानकारों की मान तो सबसे पहले साइनस में फंगल संक्रमण होता है और २ से ४ दिनों में आंखों तक पहुंच जाता है । यह फंगल संक्रमण सबसे पहले कमजोर प्रतिरक्षा वाले लोगों पर हमला करता है। उपचार के दौरान दिए गए दवा का शरीर पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है । यदि रोगी को मधुमेह है तो उसे यह नई बीमारी होने की सबसे अधिक संभावना है। सिर में असहनीय दर्द, आंखों की लाली, आंखों में पानी आना और आंखों की गति कम होने जैसे लक्षण दिखने पर फौरन डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

पिता, बेटा तथा बहू की कोरोना वायरस से मौत हुई

कोरोना ने परिवार को तबाह कर दिया, पहले बहू और बाद में पिता-बेटे की मौत, दो बच्चों ने छत्रछाया गंवाई

सूरत ।

कोरोना की दूसरी लहर में पूरा का पूरा परिवार कोरोना से संक्रमित हुआ है तो कई परिवारों में तो अधिकतर सदस्य कोरोना से मौत होने पर पूरा परिवार तबाह हो गया है ।

अब बारडोली में भी कोरोना से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की कोरोना से मौत होने पर पूरा परिवार बिखर गया । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यहां पटेल परिवार में पिता- बेटा तथा बहू की कोरोना वायरस से मौत हुई है । जिसकी वजह से अब घर में दादी और दो पोते ही रहे । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बारडोली के पटेल परिवार के तीन लोगों को ८ दिन में कोरोना ने अपना शिकार बनाने से शोक की लहर फैल गई । पहले बहू और बाद में पिता-बेटे की कोरोना से मौत होने पर दो बच्चों ने मां-पिता की छत्रछाया गंवाई है । मिली जानकारी के अनुसार बारडोली की हूडको सोसाइटी के पास स्थित बज रंगवाडी में रहते बाबूभाई पटेल उनकी पत्नी, बेटा मनीषकुमार, बहू पूर्वीबहन तथा दो पोते वर्षील और देवांशु के साथ रहते थे । कोरोना का संक्रमण होने से यह परिवार भी चपेट में आ गया था । पहले बहू पूर्वी और पिता बाबूभाई पटेल को कोरोना हुआ था, बाद में बेटा मनीष कोरोना की चपेट में आने पर उनको अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया था । इस दौरान ३ मई को पूर्वी की मौत हुई और १० तारीख को सुबह में बाबूभाई पटेल ने जबकि रात को बेटा मनीष की मौत होने पर बारडोली की सहकारी, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों में शोक की लहर फैल गई । मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मृतक बाबूभाई पटेल बारडोली की जेएम. पटेल हाईस्कूल के मंत्री के अलावा गोविदाश्रम ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी के तहत सेवा करते थे । इसके अलावा बारडोली की प्रतिस्थित माना जाता धी बारडोली नागरिक सहकारी बैंक के वाइस चेयरमैन भी रहे थे ।

तौकते की वजह से जामनगर के बंदरगाह पर मरीन कमांडो तैनात

बेबुनियाद करार देते हुए कहा कि लोगों में डर फैलाने के इरादे से विभिन्न समाचार पत्रों में ऐसी खबर प्रकाशित की जा रही है

जामनगर ।

तौकते तूफान ने गुजरात में दस्तक देने के पूर्वानुमान की वजह से जामनगर के बेडी बंदरगाह पर विशेष सतर्कता रखी जा रही है । बंदरगाह पर किसी को भी अनअधिकृत लोगों को प्रवेश बंद करके मरीन कमांडो द्वारा विशेष पहरा तैनात करके पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है । सौराष्ट्रभर के तूफान जहां अटैक कर सकते है ऐसे क्षेत्रों में विशेष सतर्कता रखी जा रही है । फिलहाल जामनगर सहित पूरे गुजरात के समुद्री किनारे पर दूसरे नंबर का अलार्म सिग्नल लगाया गया है ।

तौकते तूफान आगामी १८ मई को गुजरात के समुद्री किनारे पर दस्तक देने की दहशत की वजह से गुजरात में राज्य सरकार और समुद्री किनारे के क्षेत्रों में स्थित जिलों में स्थानीय प्रशासन अलर्ट हो गया है । विशेष सौराष्ट्र के समुद्री किनारे पर तूफान की असर होने की संभावना व्यक्त की जा रही है । ऐसे समय में आपत्तिजनक परिस्थिति में विशेष एनडीआरएफ की अलग-अलग टीमें भी बुलाई गई है ।

दूसरी तरफ समुद्र में मछुआरों को नहीं जाने की सूचना दी गई है । जिसे लेकर बेडी बंदरगाह पर नावों को लगाया गया है । विशेष जामनगर के समुद्री किनारे पर मरीन पुलिस द्वारा मरीन कमांडो की टीमें द्वारा रामदास का पेट्रोलिंग भी बढ़ा दिया गया है । इसके अलावा पोर्ट पर लोगों को आते जाते भी रोका जा रहा है । विशेष तौकते तूफान के पूर्वानुमान की वजह से सभी एहतियाती उपाय प्रशासन द्वारा उठाये जा रहे है और प्रशासन हाई अलर्ट पर है । उल्लेखनीय है कि, पोरबंदर और महुवा के बीच संभवित अटैक करने वाला तूफान की सबसे गंभीर असर गीरसोमनाथ जिले पर होने की संभावना है । इस संभावना की वजह से गीरसोमनाथ जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है । यहां जिले के ३ शहरों और २४ गांव हाई अलर्ट पर है ।

राज्य के डांग, नवसारी और वलसाड जिले में बारिश हुई

डांग ।

भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के सौराष्ट्र और समुद्री किनारे के क्षेत्रों में आगामी एक-दो दिन में तौकते तूफान संभवित रूप से अटैक कर सके इस मामले की चेतावनी जारी कर दी है । अब गुजरात के डांग, नवसारी और वलसाड जिले में इसकी असर देखने को मिल रही है । डांग में तूफान की असर की वजह से गिरीमथक सापूतारा में बारिश हुई । बारिश होने पर मौसम में ठंडक फैली और तथा किसानों में चिंता बढ़ गई । इसके अलावा नवसारी जिले के खेरगाम सहित के क्षेत्रों में बारिश हुई ।

वलसाड जिले में भी इसकी असर देखने को मिली । वलसाड के धरमपुर में मौसम बदलाव देखने को मिला । राज्य में तूफान की सिवियर असर होगी । १७ तारीख को तूफान गुजरात के समुद्री किनारे की और निकट आएगी ।

१८ मई को सुबह में पोरबंदर से मुहवा के बीच दस्तक देने की संभावना है । जिसकी वजह से इसकी सबसे ज्यादा असर सौराष्ट्र, कच्छ, जूनागढ़, अमरेली, वेरावल, दीव पर होगी । यह क्षेत्रों में भारी बारिश की पूर्वानुमान मौसम विभाग द्वारा लगाया गया है । तूफान फिलहाल १५० से १६० किलोमीटर की तेजी से आगे बढ़ रहा है । इसी वजह से समुद्री किनारे पर २ नंबर का सिग्नल एक्टिव किया गया है । सभी समुद्री किनारे पर १.५ से ३ मीटर ऊंची लहर उठेगी । इसी वजह से समुद्री किनारे से लोगों को स्थानांतरण करने का काम एनडीआरएफ की टीम द्वारा किया जा रहा है । तूफान का असर अहमदाबाद, गांधीनगर सहित के शहरों में होगा ।

कांग्रेस ने सफल राजनीतिक रणनीतिकार खो दिया है

गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और कांग्रेसी राज्यसभा सांसद राजीव सातव का सुबह अस्पताल में निधन हो गया था

गांधीनगर ।

गुजरात कांग्रेस के प्रभारी और कांग्रेसी राज्यसभा सांसद का आज सुबह अस्पताल में निधन हो गया । कोरोना संक्रमित सातव के निधन की जानकारी सामने आने पर सिर्फ कांग्रेस में नहीं बल्कि भाजपा में भी शोक की लहर दौड़ गई ।

पीएम मोदी सहित भाजपा के कई नेताओं ने सातव ने निधन पर दुख व्यक्त किया । राजीव सातव गुजरात प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी थे इसलिए गुजरात भाजपा नेताओं ने दुख जताया है । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने ट्वीट कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा " सातव जी के पवित्र आत्मा को परम दयालु परमात्मा शांति प्रदान करे और उनके परिवार पर आने वाली विपत्ति को सहन करने की शक्तिदे ।"

सीआर पाटिल ने आगे कहा कि गुजरात कांग्रेस ने एक सफल राजनीतिक रणनीतिकार को खो दिया है । स्वर्गीय राजीव सातव स्वभाव से काफी सरल थे और कांग्रेस पार्टी के आंतरिक विभाजन को इस तरह शांत करने की क्षमता रखते थे कि कभी किसी को चोट न पहुंचे । गौरतलब है कि २२ अप्रैल को राजीव सातव की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी । जिसके बाद उनको इलाज के लिए पुणे के जहांगीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था । बीते दिनों उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने की वजह से उनको वेंटीलेटर के सपोर्ट पर रखा गया था । उनकी तबीयत कुछ दिनों स्थिर बनी हुई थी । लेकिन अचानक तबीयत ज्यादा खराब होने से आज सुबह अस्पताल में उनकी मौत हो गई ।

अतिक्रमण हटाने के लिए गई टीम पर मालधारियों का हमला

बोर्ड की जमीन पर स्थानीय दबंग ने रामजी-लाला ने हाउसींग बोर्ड की जमीन में दुकानें बनाकर किराये पर दे दिया

सूरत ।

अमरोली छापराभाठा रोड पर गुजरात हाउसिंग बोर्ड की जगह पर मालधारियों द्वारा गैरकानूनी बांधे गये तबेला और दो दुकानों का अतिक्रमण हटाने के लिए बोर्ड के कर्मचारी जाने पर उन पर जानलेवा हमला किया गया ।

हालांकि यह अतिक्रमण हटाने के लिए पहले गुजरात हाउसिंग बोर्ड द्वारा नोटिस दी गई थी । नोटिस मिलने के बाद मालधारियों ने मंदिर बनाना शुरू कर दिया । १४ मई को गुजरात हाउसिंग बोर्ड के ९ कर्मचारी अमरोली छापराभाठा रोड पर अतिक्रमण की जगह खाली कराने के लिए जाने पर मालधारियों ने जानलेवा हमला किया था हालांकि इस हमले को लेकर यह कर्मचारी द्वारा नोट किया गया है । सूरत के अमरोली छापराभाठा कोसाड रोड स्थित ११५६ एमआईजी सोसाइटी के पास गुजरात हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर एक महीने पहले बोर्ड के कर्मचारी जमीन मापने के लिए गये थे तब ध्यान में आया है कि बोर्ड की जमीन पर स्थानीय दबंग ने रामजीभाई, लाला भरवाड गुजरात हाउसिंग बोर्ड, अमरोली दुकानें बनाकर किराये पर दे दिया है । इसके अलावा चाली बनाकर घर किराये पर दे दिया है और एक दुकान में मंदिर भी बना दिया है । इसी वजह से बोर्ड के अधिकारियों ने उनको जगह खाली करने की सूचना दी थी । फिर भी उन्होंने जगह खाली की नहीं की थी । इस दौरान गत सुबह में बोर्ड के असिस्टेंट इंजीनियर परमभाई भरतकुमार रांदेरी (उम्र.३० निवासी-घर नंबर-३१, चाइना टाउन सोसाइटी, न्यू सीटीलाइट, सूरत) डे. इंजीनियर राजेन्द्रभाई, कर्मचारी विजयभाई गरचर और स्टाफ के साथ जगह खाली कराने के लिए स्थल पर पहुंचे थे । लेकिन वहां मौजूद रामजी भरवाड ने जगह खाली करने से मना करने पर स्टाफ तबेला और दुकानों का सामान निकालने गये तब रामजी भरवाड ने विजयभाई को थप्पड़ मार दिया तबेला से पाइप लाकर डे. इंजीनियर राजेंद्रभाई के बाएं हाथ पर मारने से चोट लगी थी ।

वेरावल से करीब 600 किमी दूर है तौकते चक्रवात, 18 मई को गुजरात पहुंचेगा

अहमदाबाद ।

कोरोना महामारी के बीच गुजरात पर तौकते चक्रवात का खतरा मंडरा रहा है। वेरावल से 600 किलोमीटर दूर तौकते चक्रवात 12 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरात की ओर बढ़ रहा है। चक्रवात 18 मई को गुजरात पहुंच सकता है। चक्रवात के चलते सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात के तटीय इलाकों में भारी से अतिभारी बारिश होने की संभावना है। राज्य के कई जिलों में रविवार से बारिश की शुरुआत भी हो चुकी है। अहमदाबाद में भी रविवार की शाम अचानक तेज आंधी के साथ जबर्दस्त बारिश हुई। गुजरात के बंदरगाहों पर 2 नंबर का सिग्नल लगा दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक चक्रवात के चलते 150 से 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। चक्रवात के चलते एनडीआरएफ और एसडीआरएफ, नौ सेना, वायु सेना, सीमा सुरक्षा बल और सीमा सुरक्षा बल अलर्ट मोड पर हैं। तटीय क्षेत्र के निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

गुजरात में एनडीआरएफ की 44 और एसआरडीएफ की 10 टीमों ने मोर्चा संभाल लिया है। गुजरात के ऊर्जा मंत्री सौरभ पटेल ने बताया कि सरकार ने सारी तैयारियां कर ली हैं। सौराष्ट्र के सभी 12 जिलों में जिनकी चक्रवात तौकते से प्रभावित होने की संभावना है, उनमें कोविड अस्पतालों में सामग्री से लेकर स्टाफ तक की विशेष व्यवस्था की गई है। दोहरी बिजली आपूर्ति की भी व्यवस्था की गई है।

PI गीता के बाद PSI ब्रह्मभट्ट की गिरफ्तारी की संभावना

अहमदाबाद ।

हनीट्रैप मामले में तत्कालीन महिला क्राइम ब्रांच की पीआई गीता पठाण की चार दिन की रिमांड मंजूर हुई है। दूसरी तरफ पीआई गीता पठाण वर्ष २०१४ में राजकोट एसीबी में रिश्वत के अपराध में गिरफ्तार हुई होने का सामने आया है। गीता पठाण के साथ सौदेबाजी करने में मदद करने वाली अमरबहन सोलंकी की मुख्य भूमिका होने से इसकी तथा मदद करने वाली तत्कालीन पीएसआई जेके ब्रह्मभट्ट की गिरफ्तारी की संभावना रही है। अहमदाबाद पूर्व महिला पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करती पीआई गीता पठाण पर वह हनीट्रैप करती गैंग के साथ मिलकर इसका शिकार होने वाले पास से बड़ी सौदेबाजी करता होने का पुलिस को जानकारी मिली है । मिली जानकारी के अनुसार, हनीट्रैप करते गैंग के साथियों की पूछताछ के दौरान गीता पठाण का नाम सामने आने पर उनके खिलाफ जांच शुरू की गई थी । जिसमें तथ्य मालूम होने पर गीता पठाण की गिरफ्तारी की गई थी। क्राइम ब्रांच महिला आरोपी गीता पठाण को कोर्ट में रिमांड के लिए पेश किया गया था । जहां सरकारी वकील ने ऐसी पेशकश की थी कि, शिकायतकर्ता से ५ लाख, राजेश पटेल से ५ लाख, कान्तिभाई से ७.७५ लाख, सुरेशभाई से ८ लाख मिलाकर कुल २६.५५ लाख की सौदेबाजी की गई थी । इसमें गीता पठाण की भूमिका क्या है, उनको मिला पैसा कहां है । आरोपी गीता पठाण और अमरबहन सोलंकी हनीट्रैप में फंसाने के लिए फेसबुक पर फेक अकाउंट से फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजकर फ्रेंड बनाते थे । बाद में बातचीत करके फंसाने के लिए बुलाते थे । इसके बाद पूर्व महिला पुलिस स्टेशन में अर्जी की जाती थी, जिसमें हनीट्रैप में फंसे हुए व्यक्ति को समाधान कर लेने के लिए दबाव किया जाता था । इस तरह पूर्व महिला पुलिस स्टेशन में पूरा रैकेट आरोपी गीता पठाण चलाती थी । रिमांड अर्जी में यह भी पेशकश की गई है कि, आरोपियों ने ताबा के अधिकारी पीएसआई जेके. ब्रह्मभट्ट तथा महिला पुलिस कॉन्स्टेबल शारदाबहन के द्वारा तथा शिकार हुए के अलावा अन्य लोगों को धमकी देकर अपराध किया है कि नहीं इसकी जांच की जाएगी ।

गृह क्लेश से तंग आकर पति ने आत्महत्या कर ली

सूरत ।

शहर के भेस्तान क्षेत्र में एक इंजीनियर पति ने शिक्षिका पत्नी से तंग आकर फांसी लगाकर जान दे दी । स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के भेस्तान की दीपज्योत सोसायटी निवासी संतोष रामशंकर यादव मुंबई की एक कंपनी में बतौर इंजीनियर सेवारत था। उत्तर प्रदेश के मूल निवासी संतोष यादव की पत्नी शिक्षिका है। कोरोना महामारी के चलते संतोष यादव घर से काम करता था। पिछले काफी समय से नया मकान खरीदने को लेकर संतोष और उसकी पत्नी के बीच लड़ाई-झगडा चल रहा था। आए दिन के लड़ाई-झगड़े से तंग आकर संतोष ने जब घर में कोई नहीं था, तब फांसी लगा ली। परिवार के सदस्य जब घर पहुंचे तो संतोष को फांसी से लटका देख उसे तुरंत नीचे उतारा और अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने संतोष को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंच गई। संतोष के पिता रामशंकर यादव ने पुलिस को बताया कि पिछले काफी समय से बेटे-बहु के बीच नए मकान को लेकर झगड़ा चल रहा था। रामशंकर यादव के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)